RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 205 , सोमवार, 07 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी मरीजों की भीड़, जांच के साथ मिला विशेषज्ञों का परामर्श 03

प्रेम प्रसंग के विवाद में घर में घुसकर मां-बेटी पर गोलीबारी, चार आरोपित गिरफ्तार 04

पूजा हेगड़े का रेड हॉट अवतार हुआ वायरल, इंडो-वेस्टर्न लुक में दिखीं... 07

सहारनपुर कलेक्ट्रेट में ढहाई मस्जिद के नीचे मिला कुआं

● कितना पुराना, जांचने के लिए एएसआई टीम को बुलाया ● मंत्री राजभर ने अखिलेश से पूछा-क्या वहां फातिहा पढ़ेंगे

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद ढहाए जाने के बाद नीचे कुआं मिला है। यह 20 फीट गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ा है। कुआं स्लैब (पत्थर) से ढंका था। प्रशासन ने कटर से पत्थर कटवाया तो कुआं दिखाई दिया। पुलिस ने इसे लोहे की चादर से ढंक दिया है, ताकि मलबा अंदर न जाए। कुआं कितना पुराना है। इसका पता लगाने के लिए प्रशासन ने एएसआई को बुलाया है। मौके पर भारी फोर्स तैनात है।

बैरिकेडिंग करके किसी को वहां जाने नहीं दिया जा रहा। मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया- यहां पहले मंदिर रहा होगा। उसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई। जांच होनी चाहिए। मस्जिद को लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। सांसद चंद्रशेखर ने कहा- हम यह लड़ाई सदन, कोर्ट और सड़क पर लड़ेंगे। मस्जिद गिराने में इतनी जल्दबाजी क्यों की गई।

वहीं, मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक्स पर लिखा- अखिलेशजी, सहारनपुर जाकर अवैध इमारत के मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे। यूपी पूछ रहा है, बताइए न। शनिवार को 16 घंटे बुलडोजर चलाकर मस्जिद ढहाई गई थी।

रविवार सुबह तक मलबा हटाया गया। प्रशासन का कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद मस्जिद गिराई गई। मस्जिद पक्ष का आरोप है कि उसे हाईकोर्ट में अपील का मौका नहीं दिया गया। वकील बाबर वसीम ने कहा- कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। मुस्लिम धर्मगुरुओं और मस्जिद पक्ष का दावा है कि मस्जिद करीब 100 साल पुरानी थी। 70 साल पुराने वक्फ के दस्तावेजों में इसका जिक्र है।

16 घंटे में ढहाई की मस्जिद, 200 जवान तैनात रहे

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद को करीब 16 घंटे चली बुलडोजर कार्रवाई के बाद पूरी तरह ढहा दिया गया। निवार तड़के 4 बजे शुरू हुई कार्रवाई रात करीब 8 बजे तक चली। इस दौरान 200 पुलिस और पीएसी जवान तैनात रहे। इसके बाद रातभर मलबा हटाने का काम चला, जो सुबह तक पूरा कर लिया गया। कलेक्ट्रेट की मस्जिद अब जमींदोज हो चुकी है, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ है। मस्जिद पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता बाबर वसीम ने बताया कि इस संबंध में मस्जिद पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में रिट दाखिल की जाएगी। निचली अदालत के सामने पेश किए गए दस्तावेजों और सबूतों को रिकॉर्ड पर लिए जाने की अपील की जाएगी। मामले में विधि सम्मत कार्रवाई की मांग की जाएगी।

पांच मंजिला बिल्डिंग गिरी एक की मौत

इनमें ज्यादातर दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र, पीजी में रहते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को दो बिल्डिंग गिर गईं। इसमें एक छह मंजिला है जिसमें पीजी चलता है। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे। 3 का रेस्क्यू कर लिया गया है जबकि एक की मौत हो गई है। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि मलबे में कितने बच्चे फंसे हैं। आसपास की दूसरी बिल्डिंग को

भी सुरक्षा के लिए खाली करा लिया गया है। घटना दोपहर 1.30 बजे की है। स्थानीय लोग हथौड़े से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गई हैं। सत्य निकेतन दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास बसा प्रमुख छात्र इलाका है। यहां बड़ी संख्या में छात्र पीजी और हॉस्टल में रहते हैं। इलाके में कई छात्र आवास हैं और आसपास वेंकटेश्वर कॉलेज, आर्यभट्ट कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज और मैत्रेयी कॉलेज जैसे संस्थान हैं। इसी वजह से यहां दिनभर छात्रों की आवाजाही रहती है। हालांकि, सत्य निकेतन में कुल कितने छात्र रहते हैं, इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

मलबे में अभी भी कई बच्चे दबे

घटना पर बीजेपी विधायक अनिल शर्मा ने कहा, यह बहुत दुखद घटना है; इससे ज्यादा दिल तोड़ने वाली बात और क्या हो सकती है। यहां अलग-अलग जगहों से छात्र पढ़ने आते हैं और इस इमारत में पीजी में रहते हैं, यह इमारत गिर गई है। उन्होंने कहा, सही संख्या बताना मुश्किल है कि पांच, दस या बीस छात्र हैं। लेकिन हमें पक्का पता है कि छात्र अंदर फंसे हुए हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने दो छात्रों को पहले ही बचा लिया है। कुछ छात्र अंदर से फोन भी कर रहे हैं और ऐसा लगता है कि कुछ और लोग भी अंदर फंसे हैं, इसलिए बचाव कार्य जारी है।

एमपी में जहरीली शराब का 'तांडव'

● सागर में 11 लोगों की मौत, 24 अस्पताल में भर्ती ● बीमारों के शरीर नीले पड़े,कलेक्टर ने की 10 की पुष्टि

सागर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब के सेवन से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि कलेक्टर ने 10 मौतों की पुष्टि की है। वहीं, करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर है। गंभीर मरीजों को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल सागर रेफर किया गया है। मौतों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के मुताबिक, मामला बंडा थाना क्षेत्र के नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव में केंद्रित है। शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे इसकी पहली सूचना मिली थी। प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है और शराब

पीने वाले लोगों की जांच कराई जा रही है। जिन लोगों में लक्षण मिल रहे हैं, उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है।

मिथाइल अल्कोहल के सेवन से मौत की आशंका

कलेक्टर ने बताया कि अब तक हुए दो-तीन पोस्टमॉर्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल अल्कोहल के सेवन की बात सामने आई है। वहीं, एसपी अनुराग सुजानिया ने कहा कि प्राथमिक जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होना सामने आया है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। ललितपुर में भी नेटवर्क खंगाला जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे। उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। प्रशासन ने बीएमसी में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग से बेड आरक्षित किए हैं। पोस्टमॉर्टम और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है। मौतों के बाद प्रशासन एक्शन में है। सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी प्रभावित गांवों में पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को एहतियातन सील कर सैंपलिंग के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर बोलीं-

जहरीली शराब पीकर बीमार पड़े- कलेक्टर ने बताया कि चिकित्सा दल सभी मामलों पर लगातार नजर रखे हुए हैं। स्थिति के अनुसार जरूरी मेडिकल और प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही है। मृतकों में चार गांवों के लोग शामिल बताए जा रहे हैं। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है और शराब के सेवन से हुई मौतों के कारणों को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सीएम बोले-इस मामले में कठोर कार्रवाई करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई रवाना होने से पहले कहा कि उन्होंने प्रभारी मंत्री और अधिकारियों को मौके पर तुरंत जांच के निर्देश दिए हैं। इस मामले में कठोर कार्रवाई करेंगे। इस तरह की घटनाओं को हमारी

सरकार बिलकुल बर्दाश्त नहीं करेगी। डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने कहा कि हादसे के पीछे जो भी व्यक्ति जिम्मेदार होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक्स पर पोस्ट कर सरकार पर सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार आज सागर जिले के बंडा जाएंगे। वे जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हाल जानेंगे। इस दौरान वे परिजन से घटना की जानकारी भी लेंगे।

सिक्किम में लैंडस्लाइड, दो नदियों का रास्ता बंद

● पानी एक जगह हुआ जमा, यूपी में कई घाट डूबे ● सड़क पर चिताएं जलीं एमपी में नदियां उफनाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्किम के नगा फॉरेस्ट इलाके में नगा-टोसा रोड की नई सड़क कटिंग पर शनिवार देर रात लैंडस्लाइड हुई। यह लैंडस्लाइड थेंग टनल के सामने तीस्ता और च्याकोऊंग नदियों के संगम के पास हुई। इससे दोनों नदियों का बहाव रुक गया और इलाके में पानी इकट्ठा होने लगा। वहीं, यूपी के 18 जिलों में रविवार को बारिश का अलर्ट है। 26 जिलों के 3.53 लाख लोग बाढ़ से परेशान हैं। प्रयागराज में घाट डूबने से सड़क पर चिताएं जलानी पड़ रही हैं। उधर, बिहार के 18 जिले बाढ़ की चपेट में है। पटना के गांधी घाट पर गंगा ने 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। शनिवार को यहां जलस्तर 50.57 मीटर पहुंच गया। 2016 में 50.52 मीटर दर्ज किया गया था। मध्य प्रदेश में नर्मदा समेत कई नदियां उफान पर हैं। बरगी, भदभदा और कलियासोत डैम के गेट खुल चुके हैं। प्रदेश में अब तक 30 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

योगी ने चित्रकूट में बाढ़ का हवाई सर्वे किया

सीएम योगी ने रविवार को चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। मंदाकिनी नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों में रह रहे बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। करीब 800 प्रभावित परिवारों को 50-50 किलो की राहत किट बांटीं। इससे पहले, शनिवार को योगी ने वाराणसी में बाढ़ की स्थिति का हवाई सर्वे किया था। उधर, प्रदेश में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। रविवार सुबह से गाजियाबाद, मेरठ, आगरा और संभल समेत 15 जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। श्रावस्ती में भारी बारिश के कारण 400 मीटर हिस्सा जलमग्न हो गया।

दुर्गापूजा में कोलकाता के आसमान में दिखेगा अद्भुत नजारा

3000 ड्रोन से झलकेगी बंगाल की संस्कृति, शुरू हुई तैयारी

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में सत्ता में आई भाजपा सरकार दुर्गापूजा को वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव में बदलने की तैयारी कर रही है। इसके लिए व्यापक योजना तैयार की जा रही है। आगामी 10 अक्टूबर को महालया से 19 अक्टूबर को अष्टमी तक विभिन्न आयोजनों के जरिए बंगाल की दुर्गापूजा, लोक परंपराओं, कला, संगीत, खान-पान और हस्तशिल्प को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने की योजना है।

राज्य सरकार आगामी सोमवार को समस्त संबंधित पक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेगी। राज्य सचिवालय सूत्रों के अनुसार दुर्गापूजा के दौरान कोलकाता के आसमान में करीब 3,000 ड्रोन की रोशनी से देवी दुर्गा की छवि और बंगाल की सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न दृश्य उकेरे जाएंगे। महालया के दिन ईडन गार्डेंस स्टेडियम में भव्य सांस्कृतिक आयोजन से उत्सव की शुरुआत होगी। इसमें पारंपरिक महिषासुरमर्दिनी की प्रस्तुति के साथ बंगाल की लोक एवं शास्त्रीय संगीत परंपरा प्रदर्शित की जाएगी।

अकेले नदी साफ करने वाले बिट्टू तबाही को नीदरलैंड से जॉब-ऑफर

डच सीईओ बोले-हमारे साथ काम करो; इंग्लिश क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अकेले नदी साफ करने वाले मध्य प्रदेश के 20 साल के सुरेंद्र सिंह चौधरी 'बिट्टू तबाही' को नीदरलैंड की संस्था 'द ओशन क्लीनअप' ने नौकरी का ऑफर दिया है। संस्था के फाउंडर और सीईओ बॉयन स्लैट ने बिट्टू की मेहनत से प्रभावित होकर लिखा- हमारे साथ काम करो। द ओशन क्लीनअप' कंपनी समुद्रों और नदियों से प्लास्टिक कचरा हटाने का काम करती है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी बिट्टू की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बदलाव तब शुरू होता है, जब कोई व्यक्ति दूसरों का इंतजार करना छोड़कर खुद पहल करता है। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले से निकलने वाली अजनार नदी का पानी पीने और सिंचाई के काम आता था, लेकिन बढ़ते प्रदूषण से यह गंदे नाले में बदल गई।

26 जनवरी को लिया था सफाई का संकल्प

बिट्टू ने इस साल 26 जनवरी को अजनार नदी को उसका पुराना और स्वच्छ रूप लौटाने का संकल्प लिया। शुरुआत में कुछ दोस्त भी उनके साथ आए, लेकिन मुश्किल और थकाऊ काम के कारण वे धीरे-धीरे पीछे हट गए। इसके बाद बिट्टू ने अकेले ही सफाई जारी रखी। वह रोज सुबह नदी में उतरते और घंटों पानी में रहकर हाथों से कचरा निकालते रहे। करीब तीन महीने की मेहनत के बाद नदी की तस्वीर बदल गई। अब यहां कचरे की जगह साफ पानी नजर आता है। बिट्टू ने नदी की सफाई में अपना समय और मेहनत लगाने के साथ पैसे भी खर्च किए। नदी के गहरे हिस्सों से भारी कचरा निकालने के लिए उन्होंने अपनी जेब से रुपए खर्च कर जेसीबी मशीन लगवाई।

मां-पिता से कहकर निकलते-क्रिकेट खेलने जा रहे हैं

बिट्टू और कृष्णा कहते हैं कि वो दो ढाई महीने से नदी की सफाई के रील सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अपलोड कर रहे हैं। माता-पिता सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते। उन्हें कभी ये पता नहीं लगा कि वे क्या करते हैं। हम तो घर से यही कहकर निकलते हैं कि हम क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। हां, कुछ दिनों से जब से महिंद्रा जी ने हमारे काम की सोशल मीडिया पर तारीफ की, तब से कई लोग हमसे अच्छे से बात करते हैं।

मुझे डर लग रहा है, कुछ हुआ तो जिम्मेदार कौन होगा

नीशू आजाद के घर रात में पथराव स्वतंत्र भारद्वाज पर लगाया आरोप

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में शनिवार रात यूट्यूबर और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कार्यकर्ता नीशू आजाद के घर पर पथराव किए जाने का आरोप सामने आया है। नीशू आजाद का आरोप है कि रात करीब 11 बजे कुछ लोगों ने उनके घर की ओर पत्थर फेंके। इस दौरान कई पत्थर घर की बालकनी और किचन तक जा पहुंचे। घटना के बाद परिवार के लोग डर गए। नीशू आजाद ने इस मामले में स्वतंत्र भारद्वाज और उसके समर्थकों पर आरोप लगाया है। नीशू आजाद ने घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो पोस्ट कर अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस से अपने माता-पिता समेत पूरे परिवार की सुरक्षा मांगी है।

युवा रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़ा प्रधानमंत्री आउट ऑफ रीच

खड़गे बोले-नाकामी छिपाने के लिए 'नाराज फूफा' लेकर आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी के दिल्ली के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में छात्रों से किए संवाद को राजनीतिक भाषण बताया। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया- मोदी जी कल दिल्ली विश्वविद्यालय के समिट में गए। यह देश के युवाओं, शिक्षा और उनके भविष्य पर संवाद का अवसर था। लेकिन अफसोस, युवाओं के सवालों का सामना करने के बजाय भाषण फिर एक राजनीतिक प्रचार में बदल गया। कभी नाराज फूफा तो कभी दिमागी और अर्बन नक्सल। जुमले बदलते रहते हैं, पर मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियां नहीं बदलती। खड़गे ने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री जी, आउटरीच तभी करनी पड़ती है, जब आप आउट ऑफ रीच हो जाते

हैं। प्रधानमंत्री जी ने अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाया। देश का युवा भी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़ा है।

युवाओं के भविष्य पर चर्चा के बजाय राजनीतिक हमला- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री के दौरे पर निशाना साधते हुए कहा कि एसआरसीसी का मंच युवाओं के साथ शिक्षा, रोजगार और भविष्य पर सार्थक संवाद का अवसर होना चाहिए था, लेकिन यह महज एक राजनीतिक अभियान बनकर रह गया। खरगे ने कहा कि लोकतंत्र में सवालों को दबाने और अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए विपक्ष को हर साल एक नया विशेषण देना मोदी जी का तरीका बन चुका है।

संक्षिप्त समाचार

सिक्सलेन पुल पर बेलदार की मौत, पटना से काम कर लौट रहे थे, कार ने ऑटो में मारी टक्कर

हाजीपुर। वैशाली में पटना से काम कर घर लौट रहे एक मजदूर की सड़क हादसे में मौत हो गई। बिदुपुर-कच्ची दरगाह सिक्सलेन पुल पर तेज रफ्तार कार ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार विनोद सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मथुरा गांव निवासी बिंदेश्वर सिंह के बेटे विनोद सिंह के रूप में हुई है। हादसा सिक्सलेन पुल पर 22 नंबर पाया के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो सवार विनोद सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। हादसे में मजदूर की मौत से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने सिक्सलेन पर सड़क जाम कर दिया। जाम के कारण करीब दो घंटे तक आवागमन प्रभावित रहा। इस दौरान सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया, जिसके बाद जाम समाप्त हुआ और सिक्सलेन पर यातायात फिर से शुरू हो गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सिक्सलेन पर लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता है। लोगों का कहना है कि हादसों पर रोक लगाने के लिए यातायात नियंत्रण, गति सीमा और सड़क सुरक्षा से जुड़े इंतजामों को मजबूत करने की जरूरत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर सड़क हादसे के बाद एक परिवार अपने सदस्य को खो देता है। मुआवजा या आर्थिक सहायता से परिवार को कुछ राहत जरूर मिल सकती है, लेकिन अपनों को खोने का दर्द कभी कम नहीं होता।

अकिलाबाद में गंडक का छोटा रिंग बांध टूटा, 400 घर जलमग्न, प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर सदर प्रखंड के अकिलाबाद इलाके में गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। देर रात यहां एक छोटे रिंग बांध का करीब 25 फीट हिस्सा टूट गया। इससे तेज धार के साथ पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया। छोटे रिंग बांध और मुख्य तटबंध के बीच बसे करीब 400 घर पानी से घिर गए। ग्रामीणों के मुताबिक, करीब 10 हजार लोग इससे सीधे प्रभावित हुए हैं। बांध टूटने के बाद पानी का बहाव इतना तेज था कि लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला। कई परिवार अपना जरूरी सामान और मवेशियों को लेकर सुरक्षित जगहों पर जाने को मजबूर हुए। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई घरों में पानी घुस गया है। इससे लोगों के सामने खाने, पीने के पानी और रहने की समस्या खड़ी हो गई है।

बाढ़ जैसे हालात का सबसे ज्यादा असर खेती पर पड़ा है। अकिलाबाद और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर केले की खेती होती है। ग्रामीणों का दावा है कि पानी में करोड़ों रुपए की केले की खड़ी फसल बर्बाद हो गई है। अचानक पानी भरने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। इस घटना को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बांध से पिछले दो दिनों से पानी का रिसाव हो रहा था। इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन को समय रहते दी गई थी। ग्रामीणों के मुताबिक, अगर समय पर बांध की मरम्मत की जाती और पानी के रिसाव को रोका जाता तो स्थिति इतनी खराब नहीं होती। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बांध टूटने के बाद जब अधिकारियों और हाजीपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी को सूचना दी गई, तो तत्काल राहत एवं बचाव की व्यवस्था करने के बजाय कथित रूप से ग्रामीणों को ही डराने-धमकाने और जेल भेजने की बात कही गई। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में प्रशासन के खिलाफ नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी लगातार बढ़ रहा है और प्रभावित परिवारों को तत्काल नाव, भोजन, पीने का पानी और सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने की जरूरत है। लोगों का आरोप है कि घटना के कई घंटे बाद तक राहत-बचाव दल के नहीं पहुंचने से परेशानी और बढ़ गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों का तत्काल सर्वे कराने, राहत सामग्री उपलब्ध कराने और फसल नुकसान का आकलन कर मुआवजा देने की मांग की है। इस पूरे मामले में बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, लालगंज के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि गंगा नदी के जलस्तर में अत्यधिक एवं अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। इसके कारण गंडक नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। ऐसी परिस्थिति में अकिलाबाद में ग्रामीणों द्वारा बनाया गया ग्रामीण बांध तिरहुत तटबंध के नदी की ओर स्थित है और इसकी ऊंचाई काफी कम है। उन्होंने बताया कि गंडक नदी के जलस्तर में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण पानी ग्रामीण बांध के ऊपर से बह गया, जिसे ओवरटॉपिंग कहा जाता है। विभाग के अनुसार, इसी वजह से ग्रामीण बांध प्रभावित हुआ है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आया मजदूर, छत से गिरकर मौत, मकान ढलाई के दौरान हादसा

हाजीपुर। वैशाली के बराटी थाना क्षेत्र के लरूई गांव में शनिवार दोपहर मकान की छत ढलाई के दौरान हादसा हो गया। हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 35 वर्षीय मजदूर इंद्रजीत कुमार की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, लरूई गांव निवासी शकील मियां के मकान की छत ढलाई का काम चल रहा था। मकान के पास से हाईटेंशन तार गुजर रहा है। शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे काम करने के दौरान इंद्रजीत कुमार अचानक हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। करंट लगने के बाद वह छत से नीचे जमीन पर गिर गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के पानापुर दिलावरपुर गांव निवासी 35 वर्षीय इंद्रजीत कुमार, पिता सीताराम महतो के रूप में हुई है। हादसे की जानकारी मिलते ही बराटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली। पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

सांप के डंसने से बुजुर्ग महिला की मौत, पानी में बहकर आया, रात में नाव नहीं मिला, अस्पताल आने में हुई देरी

पटना। पटना के दानापुर के बाढ़ प्रभावित माधोपुर गांव में शनिवार रात सांप के डंसने से 60 वर्षीय महिला गायत्री देवी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बाढ़ के पानी के साथ घर में पहुंचे जहरीले सांप ने सोते समय महिला को डंस लिया। हालत बिगड़ने के बाद भी बाढ़ के कारण उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाने में परेशानी हुई। परिजनों ने बाढ़ प्रभावित गांवों में रात के समय पर्याप्त नाव की व्यवस्था नहीं होने का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान हेतनपुर पंचायत के माधोपुर निवासी स्व. अशोक सिंह की पत्नी गायत्री देवी के रूप में हुई है। उनके ससुर बंसी सिंह के मुताबिक, पूरा दियारा क्षेत्र बाढ़ के पानी से घिरा हुआ है। शनिवार रात गायत्री देवी घर में सो रही थीं। इसी दौरान बाढ़ के पानी के साथ आए सांप ने उन्हें डंस लिया। सांप के डंसने के बाद उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। परिजनों का कहना है कि महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की जरूरत थी, लेकिन बाढ़ के कारण रात में आवाजाही मुश्किल थी। उनका आरोप है कि बाढ़ प्रभावित गांवों में आपात स्थिति के लिए पर्याप्त नाव उपलब्ध नहीं रहती हैं। परिजनों का कहना है कि अगर समय पर अस्पताल पहुंचाकर इलाज मिल जाता तो शायद उनकी जान बच सकती थी। हालांकि, समय पर इलाज मिलने से जान बचने की संभावना संबंधी यह परिजनों का दावा है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूर्व जिला पार्षद ओम प्रकाश यादव, जिला पार्षद प्रतिनिधि रंजीत कुमार यादव, पूर्व मुखिया कन्हाई राय और विकास कुमार ने घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। शाहपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि सांप के डंसने से महिला की मौत हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया है। दियारा क्षेत्र में बाढ़ का पानी फैलने के साथ सांप और अन्य जलीय जीवों के आबादी वाले इलाकों में पहुंचने का खतरा बढ़ गया है। इस घटना ने बाढ़ प्रभावित गांवों में आपातकालीन नाव और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता पर भी सवाल खड़े किए हैं।

6 साल के बच्चे ने मांगा सीएम सम्राट का इस्तीफा

एजेंसी, पटना

♦ छात्र युवा संसद में नेहा बोरा के साथ पहुंचा, विधायक बोले-सवाल पूछने पर सरकार एके-47 चलवाती है

बिहार में शिक्षा और रोजगार के मुद्दों को लेकर रविवार को पटना के एसके मेमोरियल हॉल में छात्र-युवा संसद कार्यक्रम हो रहा है। AISA की ओर से आयोजित कार्यक्रम का नाम 'बिहार में गूंजेगी Gen-Z की आवाज' रखा गया है। इसमें राज्यभर से करीब 5000 छात्र-युवा जुटे हैं। बदहाल शिक्षा व्यवस्था, बढ़ती बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली, फीस वृद्धि, विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर हमले और छात्रों-युवाओं के लोकतांत्रिक अधिकारों समेत कई मुद्दों पर चर्चा होगी। AISA की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा 6 साल के आदित्य के साथ कार्यक्रम में पहुंची हैं। पहली कक्षा का छात्र आदित्य पटना में BPSC TRE-4 उम्मीदवारों के प्रदर्शन के दौरान चर्चा में आया था। आदित्य ने पुलिस पर माता-पिता की पिटाई करने और उसे हिरासत में लेने का आरोप लगाया था। कार्यक्रम के दौरान उसने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के इस्तीफे की मांग की। कहा कि ऐसी सरकार का कोई फायदा नहीं जो नौकरी-रोजगार ना दे सके।

विधायक बोले- शिक्षा के नाम पर मजाक हो रहा है: कार्यक्रम में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन - CPI(ML)L विधायक संदीप सौरभ ने कहा कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने कहा था कि रील बनाना रोजगार है। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आप सरकार के पक्ष में रील बनाएंगे तो उसके पैसे मिलेंगे। इसे सीरियस लेते हुए बिहार के युवाओं ने रील बनाई मगर, वो रील सरकार से सवाल करती हुई थी। सदन में सरकार कहती है कि हम बजट का 20% शिक्षा पर खर्च करते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। अभी स्कूलों को भगवा रंग से रंग कर आदर्श विद्यालय कहा गया है। बहाली हो नहीं रही है। आज पूरे बिहार में अभिभावकों में चिंता है, क्योंकि वो अपने बच्चों की पढ़ाई तो करवा रहे हैं, लेकिन जब तक जेब में 10 लाख नहीं है तब तक उनकी नौकरी नहीं लगेगी। भाजपा कार्यालय से पैसा आने के बाद छात्रों के नंबर बदल दिए जाते हैं।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा के बाद हमने रस्सी को जला दिया है, मगर ऐंठन बरकरार है। जली हुई रस्सी को अगर मसलियेगा तो वह राख बन जाएगी और इसकी ही अब हम आगे तैयारी कर रहे हैं। आगे आने वाले दिनों में छात्रों से टकराना, सरकार को महंगा पड़ेगा।

नेहा बोरा बोलीं- पुलिस लॉ-एंड-ऑर्डर को नहीं मानती: इस कार्यक्रम में जंतर-मंतर आंदोलन की चर्चित नेता और AISA की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा सहित देशभर के छात्र-युवा आंदोलनों के प्रतिनिधि और दमन के शिकार छात्र-युवा शामिल हुए हैं। CPI(ML) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, विधायक संदीप सौरभ, झारखंड के JSSC आंदोलन की मुखर आवाज हबीबा, जंतर-मंतर आंदोलन की चर्चित आवाज इरफान और प्रोफेसर एवं व्यंग्यकार डॉ. मेडुसा सहित कई लोग मौजूद हैं। नेहा बोरा ने पटना एयरपोर्ट पर कहा, परीक्षाओं में अनियमितता और वैकेंसी नहीं निकलने जैसे मुद्दों पर हम छात्रों के साथ रहे हैं। फीस बढ़ोतरी जैसे मुद्दे भी हैं। दिल्ली में स्वतंत्र आरद्वाज को अरेस्ट करने के लिए धरना करना पड़ता है। वहीं रेखा गुप्ता के कार्यक्रम से 2 मुस्लिम पत्रकारों को उठा लिया जाता है। 6 साल के बच्चे को भी गिरफ्तार किया जाता है।

दानापुर दियारा में जंगली सूअर का हमला, 3 महिलाएं घायल

एजेंसी, पटना

दानापुर दियारा क्षेत्र में बाढ़ के बीच जंगली सूअरों का हमला नई परेशानी बन गया है। रविवार सुबह गंगहरा गांव में बाढ़ के पानी में बहकर आए एक जंगली सूअर ने तीन महिलाओं को घायल कर दिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में डर का माहौल है। घायल महिलाओं में गंगहरा निवासी राकेश शर्मा की 60 वर्षीय पत्नी पूनम देवी और शाहबुद्दीन की 50 वर्षीय पत्नी खातून बीवी शामिल हैं। इनके अलावा एक और महिला भी घायल हुई है।

चापाकल पर पानी भरते समय किया हमला: पूनम देवी के भतीजे ब्रजेश शर्मा और चंदन शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह पूनम देवी चापाकल पर पानी भर रही थीं। तभी पीछे से जंगली सूअर ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने घायल महिला को 1200 रुपए किराए की नाव से दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। वहीं, खातून बीवी के परिजनों ने बताया कि वह घर के दरवाजे पर खड़ी थीं, तभी जंगली सूअर ने अचानक हमला कर उन्हें भी घायल कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार हर पंचायत में सरकारी नाव चलाने की बात कहती है, लेकिन हकीकत में नाव सिर्फ कागजों पर चल रही है। अस्पताल में भी एंटी रेबीज इंजेक्शन नहीं है, और प्राथमिक उपचार के बाद मरीजों को रेफर कर दिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दियारा के कई इलाके बाढ़ से डूबे हुए हैं। लोग पहले ही घर छोड़ने और आने-जाने की समस्या से जूझ रहे हैं।

कांग्रेस आज से गर्दनीबाग में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठी, वित्त रहित शिक्षक के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

कांग्रेस ने शिक्षा सत्याग्रह अभियान शुरू किया है। वित्त रहित शिक्षक के मुद्दे को लेकर कांग्रेस आज से गर्दनीबाग में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठी है। कल कांग्रेस सेवा दल द्वारा कफन पदयात्रा निकाली गई थी, मगर सरकार द्वारा उनकी मांगें पूरी नहीं हुई थी। इसे लेकर आज से सभी लोग अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं। आज से कांग्रेस राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान ही चलाएगी। यह अभियान 3 महीने तक चलेगा और उसके बाद इसे राष्ट्रपति को भेजा जाएगा और इसमें हस्तक्षेप करने की अपील की जाएगी।

कांग्रेस सेवा दल ने राज्य के विभिन्न जिलों में आंदोलन शुरू किया था: सेवा दल के चेयरमैन डॉ संजय यादव ने कहा कि इसी उद्देश्य से बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल ने राज्य के विभिन्न जिलों में आंदोलन शुरू किया है। धरना-प्रदर्शन, पदयात्रा और ज्ञापन के माध्यम से शिक्षक एवं कर्मचारियों की मांगों को जिला प्रशासन और सरकार तक पहुंचाया गया है। हमें हर जिले में शिक्षक एवं कर्मचारियों का भारी समर्थन मिला है। इससे साफ है कि वित्त रहित शिक्षा नीति अब केवल किसी एक संगठन या जिले का विषय नहीं रह गई है। यह पूरे बिहार के शिक्षक समाज का बड़ा मुद्दा बन चुकी है। अगर सरकार मांगे नहीं पूरी कर सकती है तो तमाम शिक्षकों को कफन दे दे ताकि हम यह बात गर्व से कह सकेंगे कि उन्हें खाना कपड़ा तो नहीं मिला लेकिन सरकार ने अपने हाथों से कफ़न जरुर दिया है।

शिक्षक संगठनों की समस्याओं को सीधे सुना जाए: सरकार संस्थानों की मान्यता, संबद्धता, विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षक की योग्यता, नियुक्ति की प्रक्रिया और सेवा अवधि की जांच कर सकती है। लेकिन जांच और प्रक्रिया के नाम पर समस्या को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। सरकार को नियमित वेतनमान के साथ पेंशन की व्यवस्था पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। हम सरकार से यह भी मांग करते हैं कि वित्त रहित शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ तत्काल संवाद शुरू किया जाए। शिक्षक संगठनों को बुलाया जाए और उनकी समस्याओं को सीधे सुना जाए।

कल कांग्रेस ने निकाली थी कफन पदयात्रा: बिहार में शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर कांग्रेस ने शिक्षक दिवस के दिन कल 'कफन पदयात्रा' निकाली थी। ये यात्रा गांधी मैदान से शुरू होकर विधानसभा तक जानी थी। इससे पहले पुलिस ने सभी नेताओं को जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर के रोक दिया गया था। कांग्रेसियों के साथ अतिथि शिक्षक भी इस पदयात्रा में शामिल हुए थे। टीचर्स फटे कपड़ों में जेपी गोलंबर पहुंचे। उनके हाथ में कटोरा था, वे सरकार और पुलिस से कटोरा फैलाकर भीख मांगते दिखाई दिए। प्रदर्शन को देखते हुए वाटर कैनन भी बुला ली गई थी। जेपी गोलंबर को कांग्रेस नेता पुलिस से भिड़ गए। बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की गई। इसके बाद पुलिस ने उन्हें डिटेन कर दिया। प्रदर्शनकारियों को पुलिस टांगकर अपने साथ ले गई।

पटना-गोद में शव लेकर हॉस्पिटल पहुंचे परिजन

एजेंसी, पटना

❐ अस्पताल से नहीं मिली एंबुलेंस, 500 मीटर पैदल चलकर पोस्टमॉर्टम कराने लाया, डूबने से महिला की हुई थी मौत

पटना के दानापुर में बाढ़ के पानी में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। परिजनों ने महिला का शव पानी से बाहर निकाला। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल ले जाने के लिए उन्हें एंबुलेंस नहीं मिली। मजबूरन परिजन शव को गोद में लेकर करीब 500 मीटर दूर अस्पताल पहुंचे। मृतका की पहचान शाहपुर निवासी बंटी यादव की पत्नी संगीता देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि संगीता देवी अपनी दादी के श्राद्ध कर्म में शामिल होने के लिए पतलापुर पंचायत के हवासपुर गांव आई थीं। शनिवार रात वह बाढ़ के पानी में डूब गईं, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना शाहपुर थाना क्षेत्र के दियारा इलाके में स्थित हवासपुर गांव की है।

शनिवार रात करीब 10-11 बजे संगीता किसी काम से घर से बाहर निकली थीं। इसी दौरान बाढ़ के पानी में उनका पैर फिसल गया और वह गिर गईं। गिरने के बाद वह गहरे पानी में चली गईं। ग्रामीणों के मुताबिक, संगीता को तैरना नहीं आता था, जिसके कारण वह गहरे पानी से बाहर नहीं निकल सकीं और डूब गईं। परिजनों और स्थानीय लोगों ने काफी देर तक उनकी खोजबीन की। घटना की सूचना प्रशासन को भी दी गई, लेकिन शव की तलाश के लिए एसडीआरएफ और प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं मिली। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से देर रात संगीता का शव बरामद किया गया। रविवार सुबह परिजन शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भाड़े की नाव से पीपा पुल घाट लेकर पहुंचे। लेकिन वहां एंबुलेंस नहीं मिली।

एंबुलेंस नहीं पहुंची तो शव गोद में लेकर निकले: परिजनों ने शव को अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस और शव वाहन के लिए संपर्क किया। पीपा पुल घाट पर परिजन काफी देर तक एंबुलेंस का इंतजार करते रहे। इस दौरान उन्होंने कई बार अस्पताल से भी संपर्क किया, लेकिन एंबुलेंस नहीं पहुंची। इसके बाद मजबूर होकर परिजन शव को गोद में लेकर पैदल अस्पताल पहुंचे। अस्पताल पहुंचने के बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी की गई।

पांच दिनों से बाढ़ में फंसे दियारा के लोग: सांसद प्रतिनिधि मुस्कान कुमार यादव और पूर्व जिला पार्षद ओम प्रकाश यादव ने बताया कि दियारा क्षेत्र के लोग पिछले पांच दिनों से बाढ़ की समस्या से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला बाढ़ के पानी में डूब गई। काफी खोजबीन के बाद शव मिला। इसके बाद पीड़ित परिवार को एंबुलेंस नहीं मिला तो शव गोद में ही उठाकर अस्पताल पहुंचा गए। यह चिंता की बात है।

स्पताल प्रशासन बोला- एंबुलेंस के लिए नहीं आया था फोन: अनुमंडलीय अस्पताल की उपाधीक्षक डॉ. निभा मोहन ने बताया कि एंबुलेंस की मांग को लेकर कोई फोन नहीं आया था। अगर पीड़ित परिवार की ओर से सूचना दी जाती तो कोई व्यवस्था जरूर की जाती। उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल में 102 एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं है।

रीतलाल यादव की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट में रिजेक्ट

एजेंसी, पटना

आरजेडी नेता और पूर्व विधायक रीतलाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने रीतलाल यादव की जमानत याचिका रिजेक्ट कर दी है। संगठित अपराध और रंगदारी से जुड़े मामले में पटना हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज की थी। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। 3 सितंबर को इस मामले की सुनवाई हुई। रीतलाल यादव की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट में पक्ष रखा था। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने कहा, 'पटना हाईकोर्ट के उस आदेश में दखल नहीं दे सकते हैं, जिसमें रीतलाल यादव की जमानत याचिका खारिज की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने रीतलाल यादव की विशेष जमानत याचिका खारिज कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि मामले में आरोप तय करने की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोप तय होने की तारीख से अगले एक साल में अगर ट्रायल में प्रगति नहीं होती है, तो रीतलाल यादव दोबारा पटना हाईकोर्ट से जमानत मांग सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत की अगली संभावना के साथ एक शर्त भी रखी है। अगर रीतलाल यादव एक साल बाद हाईकोर्ट में जमानत की मांग करते हैं, तो उन्हें ट्रायल को जल्द आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग करना होगा। यानी अभी उन्हें जमानत नहीं मिली है, लेकिन अगर आरोप तय होने के बाद एक साल तक मुकदमे में पर्याप्त प्रगति नहीं होती है, तो उनके पास दोबारा हाईकोर्ट जाने का रास्ता खुला रहेगा।

बिहार में बाढ़ का कहर, 11 जिलों के 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित

एजेंसी, पटना

जूबिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के उफान ने राज्य के कई जिलों में जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। राज्या के 11 जिलों के 50 प्रखंडों की 201 ग्राम पंचायतों में करीब 10.26 लाख लोग बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि राजधानी पटना में गंगा और पुनपुन कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बढ़ते जलस्तर का असर अब सिर्फ दियारा और निचले इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि पटना के श्मशान घाटों पर भी संकट खड़ा हो गया है, जहां अंतिम संस्कार के लिए जगह कम पड़ने लगी है। कई गांवों में घरों तक पानी पहुंच चुका है और प्रभावित परिवार नाव के सहारे सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से राहत और बचाव कार्य तेज करने के साथ SDRF और NDRF की टीमें भी तैनात की गई हैं।

गंगा समेत कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर: बिहार में गंगा समेत कई प्रमुख नदियां भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। गंडक नदी डुमरिया घाट और हाजीपुर में खतरे के निशान को पार कर चुकी है। वहीं, कोसी नदी बलतारा और कुर्सेला में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बूढ़ी गंडक नदी खगड़िया में खतरे के निशान से ऊपर है। गंगा नदी दीघा, हाथीदह, भागलपुर, कहलगांव, बक्सर और मुंगेर में भी खतरे के स्तर को पार कर चुकी है। इसके अलावा पुनपुन नदी श्रीपालपुर और घाघरा नदी दरौली में भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। कई नदियों के बढ़ते जलस्तर ने राज्य के निचले और दियारा क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

गांधी घाट पर गंगा खतरे के निशान से 1.54 मीटर ऊपर, बढ़ रहा जलस्तर: पटना में गंगा का बढ़ता जलस्तर सबसे बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। 6 सितंबर की सुबह जारी जल संसाधन विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, गांधी घाट पर गंगा नदी का जलस्तर 51.99 मीटर दर्ज किया गया है। यहां खतरे का निशान 50.45 मीटर है। इस तरह गांधी घाट पर गंगा खतरे के निशान से 1.54 मीटर ऊपर बह रही है। यहां जलस्तर में बढ़ोतरी का रुझान दर्ज किया गया है। गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ते हुए पुराने उच्चतम स्तर को भी पार कर चुका था। नदी के जलस्तर में वृद्धि का रुख दर्ज किया गया है, जिससे पटना के तटवर्ती और निचले इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

दीघा घाट पर खतरे के निशान से 1.76 मीटर ऊपर गंगा, जलस्तर में गिरावट: पटना के दीघा घाट पर भी गंगा खतरे के निशान से ऊपर बनी हुई है। 6 सितंबर की सुबह यहां गंगा का जलस्तर 53.76 मीटर दर्ज किया गया, जबकि खतरे का निशान 52.00 मीटर है। इस तरह दीघा घाट पर गंगा खतरे के निशान से 1.76 मीटर ऊपर बह रही है। हालांकि राहत की बात यह है कि यहां जलस्तर में गिरावट का रुझान दर्ज किया गया है। गंगा के बढ़े हुए जलस्तर के कारण दीघा समेत पटना के तटवर्ती इलाकों, निचले क्षेत्रों और दियारा इलाकों में बाढ़ का दबाव बना हुआ है।

मनेर में भी खतरे के निशान से ऊपर गंगा: पटना जिले के मनेर में भी गंगा नदी खतरे के निशान को पार कर चुकी है। यहां गंगा का जलस्तर 60.42 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि खतरे का निशान 60.32 मीटर है। यानी मनेर में गंगा खतरे के निशान से 0.10 मीटर ऊपर बह रही है। यहां जलस्तर में बढ़ोतरी का रुझान बना हुआ है, जिससे नदी किनारे के निचले इलाकों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

श्रीपालपुर में पुनपुन खतरे के निशान से 2.82 मीटर ऊपर: पटना के श्रीपालपुर में पुनपुन नदी का बढ़ता जलस्तर भी चिंता का विषय बना हुआ है। यहां पुनपुन नदी का जलस्तर 53.42 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि खतरे का निशान 50.60 मीटर है। इस तरह पुनपुन नदी खतरे के निशान से 2.82 मीटर ऊपर बह रही है। यहां भी जलस्तर में बढ़ोतरी का रुझान दर्ज किया गया है। पुनपुन नदी के किनारे बसे गांवों और निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

हाथीदह में गंगा खतरे के निशान से 1.97 मीटर ऊपर: हाथीदह में भी गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से काफी ऊपर बना हुआ है। 6 सितंबर की सुबह जारी रिपोर्ट के अनुसार यहां गंगा का जलस्तर 50.57 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि खतरे का निशान 48.60 मीटर है। यानी हाथीदह में गंगा खतरे के निशान से 1.97 मीटर ऊपर बह रही है।

संक्षिप्त समाचार

गुरु की सख्ती शिष्यों के नव निर्माण के लिए होती है : प्रो. मृगेंद्र

बीएनएम@ मोतिहारी। शहर स्थित लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय के बीएड विभाग में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार राय, डॉ. के.के सिन्हा एवं डॉ. प्रियरंजन झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने छात्र-छात्राओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक की सख्ती के पीछे भी शिष्य के चरित्र एवं भविष्य निर्माण की भावना छिपी होती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और संस्कार निर्माण के लिए शिक्षक को कठोर निर्णय भी लेना पड़ता है। इसका अर्थ यह कतई नहीं कि शिक्षक अपने विद्यार्थियों का भला नहीं चाहते। गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि शिष्य कुम्हार की उस कच्ची मिट्टी के समान होता है, जिसे गुरु अपने ज्ञान, अनुशासन और संस्कारों से तराशकर एक सुंदर एवं उपयोगी आकार प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षकों के मार्गदर्शन को आत्मसात कर जीवन में अनुशासन, संस्कार और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने का आह्वान किया। वहीं बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार राय ने प्रशिक्षुओं को अनुशासित एवं संयमित जीवन जीने की सीख देते हुए कहा कि शिक्षक के बताए मार्ग पर चलकर ही विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं। उन्होंने शिक्षक के प्रति सम्मान और अपने दायित्वों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। समारोह के अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. मधुलिका कुमारी, डॉ. मधुबाला मौर्या, डॉ. जयंती झा, जलेश्वर कुमार, रविरंजन, सनी, प्रिंस, प्रभाकर सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशिक्षु विवेक, विकास, सिमरन, अस्मिता, विनोद, विक्रांत, हिमांशु एवं अपूर्व केशव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शराब तस्कर को छुड़ाने के लिए पुलिस पर हमला, 11 गिरफ्तार

मधुबन के लाही में गश्ती टीम से धक्का-मुक्की कर आरोपी को छुड़ाया था, सात बाइक और ट्रैक्टर जब्त

बीएनएम@ मोतिहारी/मधुबन। मधुबन थाना क्षेत्र के लाही गांव में शराब के आरोपी को पुलिस हिरासत से छुड़ाने के लिए पुलिस टीम पर हमला और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। पुलिस ने छापेमारी कर 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मौके से सात मोटरसाइकिल और एक ट्रैक्टर भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, रविवार शाम गश्ती के दौरान पुलिस टीम को लाही गांव में शराब की सूचना मिली थी। गश्ती पदाधिकारी पु०अ०नि० ब्रजभूषण सिंह सशस्त्र बल के साथ मौके पर पहुंचे और छापेमारी कर अजय सहनी, पिता राजमंगल सहनी को 7.875 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया। इसी दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने कथित तौर पर अवैध रूप से मजमा बनाकर पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। आरोप है कि भीड़ ने पुलिस के कब्जे से गिरफ्तार अजय सहनी को छुड़ा लिया और सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए पुलिस टीम पर हमला किया। घटना के बाद मधुबन पुलिस ने कांड संख्या 305/26 दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। पुलिस कार्रवाई में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में राजमंगल सहनी, संतोष सहनी, खेना सहनी, पप्पू सहनी, शिवम कुमार, अजय सहनी, राजकपूर कुमार और कृष्णा कुमार शामिल हैं। इनके अलावा तीन महिलाओं को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान सात मोटरसाइकिल और एक ट्रैक्टर भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपितों में लाही गांव के कई लोग शामिल हैं, जबकि राजकपूर कुमार शिवहर जिले के पिपराही थाना क्षेत्र और कृष्णा कुमार मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र का निवासी बताया गया है। पुलिस ने बरामद 7.875 लीटर अंग्रेजी शराब सहित सभी जब्त वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। छापेमारी अभियान में मधुबन थानाध्यक्ष पु०अ०नि० प्रवीण कुमार पाण्डेय, पु०अ०नि० ओमप्रकाश कुमार राम, पु०अ०नि० ब्रजभूषण सिंह, पु०अ०नि० दिनेश कुमार सिंह सहित सशस्त्र बल शामिल रहे।

वारंटियों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा, पांच गिरफ्तार

बीएनएम@ तुरकौलिया। गैर जमानती वारंटियों के खिलाफ तुरकौलिया पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में छापेमारी कर लंबे समय से फरार चल रहे पांच वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में जयसिंहपुर बेलघटी निवासी सलाउद्दीन, मैनुद्दीन और इंतजार उल हक, भेला छपरा निवासी पंकज कुमार तथा सेमरा भोला टोला निवासी विजय महतो शामिल हैं। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद आरोपित अपने घरों में छिपकर रह रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उनकी गतिविधियों का सत्यापन किया और अलग-अलग टीम बनाकर संबंधित घरों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान सभी पांचों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से वारंटियों में हड़कंप मचा है। थानाध्यक्ष ने कहा कि न्यायालय से जारी वारंटों के निष्पादन को लेकर पुलिस लगातार अभियान चला रही है। फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए आगे भी छापेमारी जारी रहेगी। गिरफ्तार सभी आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

शिक्षक दिवस पर टीचर्स ऑफ बिहार की पांच बड़ी पहलें शुरू

शिक्षा, साहित्य, तकनीक और साइबर सुरक्षा को मिला नया मंच, पांच हजार से अधिक शिक्षकों को डिजिटल प्रमाण पत्र

बीएनएम@ मोतिहारी

शिक्षक दिवस पर टीचर्स ऑफ बिहार ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक साथ पांच महत्वपूर्ण पहलों की शुरुआत की। विशेष कार्यक्रम 'लेट्स टॉक' में शिक्षा, साहित्य, तकनीक, साइबर सुरक्षा और रचनात्मक संवाद को केंद्र में रखते हुए नई पहल का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं मॉडरेशन डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय ने किया। इस दौरान शिक्षक दिवस स्पेशल ऑनलाइन क्विज-2026, 'शिक्षा के गुमनाम नायक' पुस्तक के लिए कहानी आमंत्रण, पूर्व अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग डॉ. एस. सिद्धार्थ के साथ विशेष संवाद, 'आंचलिका' पत्रिका के कवर पेज का विमोचन और 'मैं हूं साइबरदूत' कोर्स का शुभारंभ किया गया। टीचर्स ऑफ बिहार के अनुसार, शिक्षक दिवस स्पेशल ऑनलाइन क्विज में शामिल पांच हजार से अधिक शिक्षकों को डिजिटल प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वहीं 'शिक्षा के गुमनाम नायक' पहल के तहत शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों की प्रेरक कहानियों को संकलित कर समाज के सामने लाया जाएगा।

पांच प्रादेशिक भाषाओं और लोक-संस्कृति को समर्पित होगी 'आंचलिका'– कार्यक्रम में 'आंचलिका' पत्रिका के कवर पेज का विमोचन भी किया गया। संगठन के अनुसार यह टीचर्स ऑफ बिहार की पहली पत्रिका होगी, जो बिहार की पांच प्रादेशिक भाषाओं, साहित्य और लोक-संस्कृति को समर्पित रहेगी।

वहीं 'मैं हूं साइबरदूत' कोर्स के जरिए विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा, डिजिटल ठगी से बचाव और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाएगा। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार और टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कहा कि शिक्षक दिवस पर शुरू की गई ये पहलें केवल शिक्षकों के सम्मान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि शिक्षा में नवाचार, तकनीकी जागरूकता और रचनात्मक संवाद को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार और प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने कहा कि संगठन शिक्षकों को सशक्त डिजिटल मंच उपलब्ध कराने के साथ उनकी प्रतिभा, अनुभव और नवाचार को व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिकेन्द्र कुमार सुमन, मनीष कुमार, कुमार अभिषेक, अमितेश कुमार, पप्पू कुमार पंकज, अभिषेक कुमार, अनुपमा प्रियदर्शिनी, आस्था दीपाली, कनिष्का मुस्कान, भवानंद सिंह, राकेश वर्मा, मधु प्रिया समेत अन्य सदस्यों की भूमिका रही।

पुलिस अभिरक्षा से संदिग्ध तरीके से लोगों को छोड़ना पड़ा भारी, पहाड़पुर थानाध्यक्ष निलंबित

» **बिना सत्यापन और वरीय अधिकारियों को सूचना दिए छोड़ने का आरोप, स्टेशन डायरी में भी कार्रवाई दर्ज नहीं**

बीएनएम@ मोतिहारी

पुलिस अभिरक्षा में लिए गए लोगों को कथित तौर पर बिना समुचित सत्यापन और वरीय अधिकारियों को सूचना दिए छोड़ना पहाड़पुर थानाध्यक्ष पु०अ०नि० अजय कुमार को भारी पड़ गया। मामले की जांच में थानाध्यक्ष का आचरण संदिग्ध पाए जाने के बाद पुलिस अधीक्षक ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। पुलिस के अनुसार, 2/3 सितंबर 2026 को पहाड़पुर थाना में कुछ लोगों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया था। आरोप है कि इन लोगों को बिना समुचित सत्यापन किए तथा वरीय पदाधिकारी को सूचना दिए बिना छोड़ दिया गया। मामले की जांच पर्यवेक्षी पदाधिकारी, पहाड़पुर द्वारा की गई। जांच प्रतिवेदन में थानाध्यक्ष का आचरण संदिग्ध पाया गया। जांच में सामने आया कि पुलिस अभिरक्षा में लिए गए छोटन यादव का शराब एवं अन्य मामलों में आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ पहाड़पुर थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत कांड संख्या 376/22, 157/23 और 451/24 दर्ज हैं। इसके बावजूद अभिरक्षा में लिए गए व्यक्तियों और वाहनों की गहराई से जांच-पड़ताल नहीं की गई। पुलिस के मुताबिक, घटना की जानकारी वरीय पदाधिकारी को भी नहीं दी गई। अभिरक्षा में लिए गए लोगों और वाहनों को छोड़ने के संबंध में स्टेशन डायरी में आवश्यक प्रविष्टि तक नहीं की गई। मामले में थानाध्यक्ष से स्पष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन उनका स्पष्टीकरण अब तक अप्राप्त है। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने प्रशासनिक नियंत्रण के दृष्टिगत पु०अ०नि०/412 अजय कुमार, थानाध्यक्ष पहाड़पुर थाना को कर्तव्य के प्रति लापरवाही, अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता, वरीय पदाधिकारी के आदेशों की अवहेलना एवं संदिग्ध आचरण के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी मरीजों की भीड़, जांच के साथ मिला विशेषज्ञों का परामर्श

बीएनएम@ मोतिहारी

ईस्ट चंपारण लायंस क्लब के स्थायी सेवा प्रकल्प के तहत रविवार को शहर के डॉ. रहमान परवेज हॉस्पिटल के मुख्य द्वार पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे। एक ही स्थान पर डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, न्यूरोपैथी, गैस्ट्रोलॉजी व गैस संबंधी समस्याओं समेत विभिन्न स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिलने से मरीजों को काफी राहत मिली। हृदय रोग विशेषज्ञ एवं लायंस क्लब के वरिष्ठ सदस्य लायन डॉ. परवेज अजीज ने मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। जरूरतमंद मरीजों का ईसीजी भी किया गया। चिकित्सकों ने मरीजों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और खान-पान व दिनचर्या को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी। डॉ. परवेज अजीज ने कहा कि डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों की समय पर पहचान गंभीर जटिलताओं से बचाव में महत्वपूर्ण है। शिविर में मरीजों को दिए गए पुर्जे के आधार पर 15 दिनों के भीतर दोबारा पहुंचकर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श लेने की सुविधा भी दी गई। क्लब अध्यक्ष इं. सुधांशु सिन्हा ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना लायंस क्लब के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। इसी कड़ी में स्थायी सेवा प्रकल्प के तहत प्रत्येक रविवार को शहर के अलग-अलग हिस्सों में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। यह सेवा अभियान आगे भी जारी रहेगा। रीजन चेयरपर्सन लायन सुजीत कुमार सिंह और जोनल चेयरपर्सन लायन अशोक जायसवाल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्लब के प्रमुख सेवा कार्यों में शामिल है। शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को एक ही स्थान पर जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर में क्लब के वरीय सदस्य लायन विजय अग्रवाल, अमित सेन, मनोज जायसवाल, कोषाध्यक्ष लायन रामप्रकाश सिन्हा, डॉ. सुमीत कुमार, अजय आजाद, सुधीर गुप्ता, उमेश चौहान, सोनल सारस्वत, संजीव कुमार, लियो अर्पित सिन्हा, राज किसन समेत लायंस एवं लियो सदस्य मौजूद रहे।

थानों की बदली कमानः पहाड़पुर में मनीष, कुण्डवाचैनपुर में अमन तो पचपकड़ी में नंदनी की तैनाती

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण में कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने जिले के तीन थानों पहाड़पुर, कुण्डवाचैनपुर और पचपकड़ी में नए थानाध्यक्षों की तैनाती की है। यह बदलाव प्रशासनिक नियंत्रण, बेहतर कार्यकुशलता और रिक्त पदों को भरने के आधार पर किया गया है। सबसे अहम बदलाव पहाड़पुर थाना में हुआ है। यहां पूर्व थानाध्यक्ष के निलंबन के बाद खाली हुई कुर्सी पर पु०अ०नि./175 मनीष कुमार (2019 बैच) को थानाध्यक्ष बनाया गया है। मनीष कुमार इससे पहले कुण्डवाचैनपुर थाना में थानाध्यक्ष के पद पर तैनात थे। वहीं कुण्डवाचैनपुर थाना की कमान अब पु०अ०नि./260 अमन कुमार (2020 बैच) संभालेंगे। अमन कुमार का तबादला रक्सौल थाना से किया गया है। कुण्डवाचैनपुर के पूर्व थानाध्यक्ष ने चिकित्सीय कारणों से भारमुक्त किए जाने के लिए आवेदन दिया था। पुलिस उपमहानिरीक्षक, चम्पारण क्षेत्र, बेतिया के कार्यालय से तीन सितंबर को मिले अनुमोदन के बाद यह पदस्थापन किया गया। उधर पचपकड़ी थाना में पु०अ०नि./193 नंदनी कुमारी (2019 बैच) को थानाध्यक्ष बनाया गया है। नंदनी कुमारी नगर थाना में पदस्थापित थीं। पचपकड़ी के पूर्व थानाध्यक्ष का स्थानांतरण आर्थिक अपराध इकाई, पटना में होने के बाद यह पद रिक्त हुआ था। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से छह सितंबर को जारी आदेश के मुताबिक तीनों पदाधिकारियों को नवपदस्थापित थानों में योगदान देने का निर्देश दिया गया है। पुलिस विभाग के इस फेरबदल को जिले में थानों के प्रशासनिक नियंत्रण को मजबूत करने और लंबित मामलों के निष्पादन के साथ-साथ अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हरसिद्धि में शराब मामले में दो आरोपित गिरफ्तार, न्यायालय भेजे गए

बीएनएम@ हरसिद्धि

शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हरसिद्धि पुलिस ने छापेमारी कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गायघाट रामनगर निवासी देवेंद्र महतो उर्फ देवेंद्र कुमार तथा बैरियाडीह निवासी सूरज साहनी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 411/26, दिनांक 24 अगस्त 2026, धारा 30(ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत दर्ज मामले में देवेंद्र महतो उर्फ देवेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया गया। वहीं टीआर संख्या 72/26 के मामले में सूरज साहनी को पकड़ा गया। दोनों आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय में भेजा जा रहा है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है और ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्ति और नशामुक्ति का लिया संकल्प

बीएनएम@ मोतिहारी

डॉ. एस.के.एस. महिला कॉलेज में एनएसएस ने चलाया जागरूकता अभियान

बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय के निर्देश एवं प्रेरणा से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की ओर से प्रत्येक रविवार को विश्वविद्यालय परिसर सहित सभी संबद्ध महाविद्यालयों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को नगर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. एस.के. एस. महिला महाविद्यालय, मोतिहारी में स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त बिहार तथा 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर छात्राओं एवं उपस्थित लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। अभियान में असिस्टेंट प्रोफेसर कुमारी रंजना, डॉ. अंजलि कुमारी एवं कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अर्पणा ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्लास्टिक मुक्त बिहार अभियान के तहत कुमारी रंजना ने सिंगल यूज पॉलिथीन का भविष्य में प्रयोग नहीं करने का संकल्प लिया। उन्होंने छात्राओं से भी पॉलिथीन के इस्तेमाल से बचने तथा पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। वहीं, डॉ. अंजलि कुमारी ने 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के तहत नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अर्पणा ने छात्राओं को नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने तथा स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों संतोष कुमार चौबे एवं राघवेंद्र मिश्र ने भी सहयोग प्रदान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं नीतू कुमारी, पायल कुमारी, अदिति कुमारी एवं आशिया ने अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छ परिसर, प्लास्टिक मुक्त बिहार और नशामुक्त युवा के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया गया। स्वयंसेविकाओं एवं छात्राओं ने स्वस्थ, स्वच्छ और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

हरसिद्धि के मठ लोहियार से एक साथ तीन नाबालिग बच्चियां लापता, इलाके में हड़कंप

सुबह 11 बजे गायब हुईं तीनों बच्चियां, पुलिस ने जारी की तस्वीर; तलाश में जुटी कई पुलिस

बीएनएम@ मोतिहारी/हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना के मठ लोहियार से रविवार को एक साथ तीन नाबालिग बच्चियों के लापता होने से इलाके में हड़कंप मच गया। तीनों बच्चियां मठलोहियार छतवनिया गांव की रहने वाली हैं और सुबह करीब 11 बजे से गायब हुईं। सूचना मिलते ही हरसिद्धि पुलिस सक्रिय हुई और बच्चियों की तलाश शुरू कर दी। लापता बच्चियों की पहचान सुरभि कुमारी (15), प्रतिमा कुमारी (14) और खुशी कुमारी (12) के रूप में हुई है। सुरभि के पिता का नाम उपेंद्र प्रसाद, प्रतिमा के पिता का नाम जंगबहादुर यादव और खुशी के पिता का नाम जयप्रकाश सिंह बताया गया है। तीनों बच्चियों के एक साथ लापता होने के बाद पुलिस ने उनकी तस्वीर और पहचान संबंधी जानकारी सार्वजनिक की है, ताकि आसपास के क्षेत्रों में उनकी पहचान कर सकी जा सके। पुलिस के अनुसार, प्रतिमा कुमारी के बाल छोटे हैं, जबकि सुरभि कुमारी के गाल धंसे हुए हैं। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि बच्चियों की तलाश के लिए पुलिस टीम को लगाया गया है। बाजार और आसपास के संभावित स्थानों पर जांच-पड़ताल की जा रही है। पुलिस सभी संभावित बिंदुओं पर काम कर रही है। बच्चियों के बारे में किसी भी व्यक्ति को जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बच्चियों को कहीं देखने या उनके संबंध में कोई जानकारी मिलने पर नजदीकी थाना को सूचित करें। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी के मोबाइल नंबर 9031827100 और हरसिद्धि थानाध्यक्ष के मोबाइल नंबर 9031827074 पर भी सूचना दी जा सकती है। तीनों बच्चियों के एक साथ गायब होने को लेकर पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। फिलहाल प्राथमिकता बच्चियों को सुरक्षित बरामद करना है।

संक्षिप्त समाचार

कृष्ण को पूजें नहीं, उनके विचारों को अपनाएं: पूर्व प्राचार्य

बीएनएम@ बगहा: श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर विभिन्न पंडालों का भ्रमण करते हुए प्रख्यात पर्यावरणविद् एवं पूर्व प्राचार्य पं० भरत उपाध्याय ने कहा कि माखन और बांसुरी वाले कृष्ण उनके बालजीवन का एक हिस्सा मात्र हैं। असली कृष्ण वे हैं, जिन्होंने बिना हथियार उठाए महाभारत की दिशा बदल दी। आज हमें यह समझने की जरूरत है कि कब शांत रहना है और कब सही के लिए खड़े होना है।चर्चा के दौरान उन्होंने कंस वध के बाद देवकी और कृष्ण के संवाद का प्रसंग साझा किया। जब देवकी ने 14 वर्ष तक प्रतीक्षा का कारण पूछा, तो कृष्ण ने पिछले जन्म के कैकेई-दशरथ प्रसंग का स्मरण कराया और यशोदा को कौशल्या बताया।

कानूनी अधिकारों और योजनाओं की दी गई जानकारी

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

बीएनएम@ बेतिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिम चंपारण (बेतिया) के तत्वावधान में बेतिया प्रखंड के वार्ड नंबर 44 में एक कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को उनके मौलिक अधिकारों और सरकारी विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना था।प्राधिकार के सचिव धीरेंद्र कुमार पांडे ने बताया कि जरूरतमंद लोग किसी भी कानूनी समस्या के समाधान के लिए व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित प्राधिकार कार्यालय के फ्रंट ऑफिस में आवेदन दे सकते हैं, जहाँ उन्हें सहायता प्रदान की जाती है। इस दौरान उन्होंने नालसा और बालसा की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।पैनल अधिवक्ता मोहम्मद जाकिर ने मध्यस्थता, संवाद जागृति और आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर पैरा विधिक स्वयंसेवक वशिष्ठ प्रसाद श्रीवास्तव, वार्ड पार्षद और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

दो साल से फरार चल रहे आरोपी पिता थाने में किया आत्मसमर्पण, कमासी हत्याकांड

बीएनएम@ शेखपुरा: बेटी की हत्या के मामले में करीब दो साल से फरार चल रहे आरोपी पिता बच्चनदेव चौहान ने रविवार को नगर थाना पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में शेखपुरा जेल भेज दिया है। इस मामले में एक सप्ताह पूर्व मृतका की मां अनिता देवी को भी गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि आरोपी भाई शुभम कुमार अभी भी फरार है।नगर थाना क्षेत्र के कमासी गांव में 25 नवंबर 2024 को चंचला कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद परिजनों को आरोपी बनाया गया था। जांच अधिकारी राजकुमार ने बताया कि कुर्की जब्ती के बढ़ते दबाव के कारण आरोपी ने सरेंडर किया। मृतका डाक विभाग में बीपीएम के पद पर कार्यरत थी और उसने प्रेम विवाह किया था, जिससे परिजन नाराज थे। पुलिस अब फरार चल रहे भाई की तलाश में जुटी है।

ट्रैफिक ई-चालान पर 50% तक की छूट

व्यवहार न्यायालय में होगा मामलों का निपटारा

बीएनएम@ जमुई। व्यवहार न्यायालय परिसर में आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित ट्रैफिक ई-चालान के त्वरित निपटारे के लिए विशेष छूट का प्रावधान किया गया है। परिवहन विभाग के निर्देशानुसार, 90 दिनों से अधिक समय से लंबित चालान मामलों पर वाहन स्वामियों को चालान राशि में अधिकतम 50 प्रतिशत तक की राहत मिलेगी।इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए जिला परिवहन कार्यालय में पूर्व पंजीकरण की व्यवस्था शुरू की गई है। अग्रिम पंजीकरण कराने वाले वाहन चालकों को लोक अदालत के दिन न्यायालय में सशरीर उपस्थित होने की अनिवार्यता से छूट दी गई है। जिला प्रशासन और न्यायपालिका ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपना पूर्व पंजीकरण कराकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और अपने लंबित मामलों का शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करें।

महादेव सिमरिया में धूमधाम से मना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

सांस्कृतिक प्रस्तुति व जागरण ने मोहा मन

बीएनएम@ सिकन्दरा (जमुई)। प्रखंड क्षेत्र के महादेव सिमरिया स्थित तिवारी टोला के राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में आसपास के दर्जनों गांवों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।समारोह के दौरान नमन विद्या मंदिर अलीगंज, सरस्वती प्ले एंड पब्लिक स्कूल और आशा इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आयोजकों द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।रात्रि के समय देवघर से आए प्रसिद्ध कलाकार अंशु प्रिया और दुर्गा दीवाना ने भव्य भक्ति जागरण में सुरीले भजनों की अमृत वर्षा की, जिससे पूरा प्रांगण 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से गूंज उठा और श्रोता पूरी रात झूमते रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में गुंजन तिवारी, गोपाल तिवारी, पिंटू तिवारी और दिवाकर तिवारी सहित कई गणमान्य लोगों की सराहनीय भूमिका रही। अंत में महाप्रसाद वितरण के साथ इस भव्य आयोजन का समापन किया गया।

शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

बीएनएम@ सिकंदरा (जमुई)। स्थानीय थाना क्षेत्र के पोहे गांव में पुलिस ने मद्यनिषेध अभियान के तहत छापेमारी कर अवैध महुआ शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया और मौके से शराब सेवन के आरोप में दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया।गुप्त सूचना के आधार पर सिकंदरा थाना पुलिस ने पोहे के चौधरी टोला में कार्रवाई करते हुए रामचंद्र चौधरी के पुत्र विनोद चौधरी को पांच लीटर अवैध देशी महुआ शराब के साथ रंगेहाथ दबोचा। इसके अलावा, शराब पीने के आरोप में लखीसराय जिले के हलसी थाना अंतर्गत घोंघसा गांव निवासी कन्हैया सिंह और सिकंदरा के पोहे निवासी स्वर्गीय सकलदेव यादव को भी पकड़ा गया।पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध उत्पाद एवं मद्यनिषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आवश्यक चिकित्सीय और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

प्रेम प्रसंग के विवाद में घर में घुसकर मां-बेटी पर गोलीबारी, चार आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम@ शिवहर

रात 11 बजे हुई वारदात से मचा हड़कंप, एसपी के निर्देश पर विशेष जांच दल गठित; एफएसएल और डीआईयू की टीम ने जुटाए साक्ष्य

श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र के लालगढ़ गांव में प्रेम प्रसंग के विवाद ने खूनी रूप ले लिया। रात करीब 11 बजे हथियारबंद आरोपित घर में घुस गए और बालिका व उसकी मां पर गोली चला दी। गोली लगने से दोनों घायल हो गईं। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर विशेष जांच दल का गठन किया गया है। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य जुटाए। इसके लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला और जिला आसूचना इकाई की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पीड़िता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया। जांच के दौरान छह नामजद आरोपितों के साथ पांच-छह अज्ञात लोगों के भी घटना में शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में घटना की मुख्य वजह प्रिंस कुमार और पीड़िता के बीच प्रेम प्रसंग को लेकर चल रहा विवाद सामने आया है। पुलिस के अनुसार, इसी विवाद के कारण आरोपितों ने रात करीब 11 बजे घर में घुसकर गोलीबारी की। मामले में पुलिस ने छापेमारी कर प्रिंस कुमार, सुधीर सिंह, पप्पू सिंह और अविनाश सिंह उर्फ टकला को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपित लालगढ़ जोगिया गांव के रहने वाले बताए गए हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार, वारदात में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

एसएसबी 21वीं वाहिनी ने चलाया 'संडे ऑन साइकिल' अभियान

बीएनएम@ बगहा

» जवानों ने तय की 40 किमी की दूरी

21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की ओर से रविवार को 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत 'संडे ऑन साइकिल' अभियान चलाया गया। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य जवानों को शारीरिक रूप से फिट रखने के साथ-साथ सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेना था।वाहिनी के कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत के नेतृत्व में एसएसबी जवानों की एक उत्साही टीम ने वाहिनी मुख्यालय मंगलपुर, बगहा से अपनी साइकिल यात्रा शुरू की। जवानों ने बॉर्डर रोड के रास्ते हरनाटांड़ स्थित लौकरिया थाना तक का सफर तय किया और इसके बाद वापस वाहिनी मुख्यालय लौटे। इस पूरी साइकिल यात्रा के दौरान जवानों ने आने-जाने में करीब 40 किलोमीटर की दूरी लगभग दो घंटे में पूरी की। इस दौरान उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा स्थिति का भी बारीकी से निरीक्षण किया।अभियान के समापन पर कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत ने सभी जवानों के सहभागिता की सराहना करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस तरह के नियमित आयोजन जवानों में अनुशासन, फिटनेस और आपसी टीम भावना को मजबूत बनाते हैं। साथ ही, इससे सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता का सकारात्मक संदेश भी पहुंचता है। एसएसबी भविष्य में भी जवानों के स्वास्थ्य और क्षेत्र की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए हर रविवार इस अभियान को जारी रखने की योजना बना रही है।

रेवहिया में भीषण कटाव, 60 से अधिक घर नदी में समाए

» जल्द काम शुरू करने का आश्वासन

बीएनएम@ बगहा

आक्रोशित ग्रामीणों के तेवर देख हरकत में आया प्रशासन

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड के चिउरही पंचायत के रेवहिया गांव में हो रहे भीषण नदी कटाव से आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा सोमवार को धनहा-रतवल मार्ग जाम करने के ऐलान के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। सूचना मिलते ही रविवार दोपहर बाद बगहा एसडीएम चांदनी कुमारी, मधुबनी बीडीओ कुंदन कुमार, सीओ नंदलाल राम और जल संसाधन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों से बातचीत कर जल्द कटावरोधी कार्य शुरू कराने का ठोस आश्वासन दिया।एसडीएम चांदनी कुमारी ने ग्रामीणों से सड़क जाम न करने की अपील करते हुए कहा कि इससे यातायात बाधित होगा और आम लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ेगी। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को रेवहिया में तुरंत युद्ध स्तर पर कटावरोधी कार्य शुरू करने का सख्त निर्देश दिया है, ताकि कटाव को आगे बढ़ने से रोका जा सके।ग्रामीणों का दर्द है कि यदि समय रहते प्रशासन ने ध्यान दिया होता तो इतनी बड़ी तबाही नहीं होती। कटाव के कारण अब तक लगभग 60 से 70 घर नदी में विलीन हो चुके हैं, और सैकड़ों एकड़ उपजाऊ भूमि व फसलें नदी की धारा में समा चुकी हैं, जिससे परिवारों के समक्ष आजीविका का गंभीर संकट पैदा हो गया है। लगातार सूचना के बावजूद विभाग की उदासीनता से लोग नाराज थे।निर्देश मिलते ही जल संसाधन विभाग ने कटाव स्थल पर सामग्री पहुँचाने और भंडारण का काम शुरू कर दिया है। अब यह देखना अहम होगा कि ग्रामीण प्रशासन के आश्वासन पर अपना आंदोलन स्थगित करते हैं या सोमवार को सड़क जाम करते हैं, क्योंकि फिलहाल सबकी निगाहें कटावरोधी कार्यों की शुरुआत और उसकी गति पर टिकी हुई हैं।

लायंस क्लब गया जी द्वारा निःशुल्क 'जीरिएट्रीक क्लीनिक' आयोजित

» 68 बुजुर्ग मरीजों की स्वास्थ्य जांच

बीएनएम@ गयाजी

लायंस क्लब गया जी के तत्वावधान में रविवार को स्थानीय आई.एम.ए. हॉल में एक विशेष निःशुल्क "जीरिएट्रीक क्लीनिक" (वृद्ध जन चिकित्सा शिविर) का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता लायन डॉ. नन्द किशोर गुप्ता ने की। शिविर का मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों तक सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना था।विशेष चिकित्सा जांच शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने कुल 68 रोगियों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क अंग्रेजी एवं होम्योपैथिक दवाइयाँ भी उपलब्ध कराई गईं। इसके साथ ही, हृदय रोग से जुड़े मरीजों की सुविधा के लिए विशेष रूप से ई.सी.जी. जांच की व्यवस्था की गई थी, जबकि सभी आने वाले मरीजों के ब्लड शुगर की भी जांच की गई। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ देने के लिए फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ और दंत चिकित्सक ने भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कीं।शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नन्द किशोर गुप्ता, दंत चिकित्सक डॉ. चंद्र तारा मृणाल, होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. राम भजन प्रसाद, फिजिशियन डॉ. चंद्र किरण तथा फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ डॉ. रोहित सिन्हा ने मरीजों की जांच की। कार्यक्रम को सफल बनाने में पैरामेडिक व तकनीकी सहयोगियों अजय कुमार, ललन प्रसाद, राजू कुमार, पप्पू कुमार और राजेश कुमार का विशेष योगदान रहा।इस अवसर पर लायंस क्लब गया जी के अध्यक्ष लायन विनय वर्मा, सचिव डॉ. तनवीर उस्मानी, कोषाध्यक्ष लायन नीरज कुमार, लायन अजय कुमार एवं लायन अतहरुल हक सहित क्लब के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। क्लब के सचिव डॉ. तनवीर उस्मानी ने बताया कि संस्था द्वारा समाज के उपेक्षित और जरूरतमंद वर्गों के स्वास्थ्य कल्याण के लिए ऐसे निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन निरंतर किया जाता है।

लंबित कांडों पर एसडीपीओ सख्त, फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलेगा विशेष अभियान

क्राइम मीटिंग में थानाध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश, संध्या-रात्रि गश्ती बढ़ाने और पीड़ितों की शिकायतों का त्वरित निपटारा करने पर जोर

बीएनएम@ शिवहर

अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनुशील कुमार ने शनिवार को अपने कार्यालय कक्ष में थानाध्यक्षों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने लंबित कांडों के निष्पादन में तेजी लाने और फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने का सख्त निर्देश दिया। एसडीपीओ ने थानाध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया कि लंबित मामलों को किसी भी स्थिति में अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाए। अनुसंधान में तेजी लाते हुए मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें, ताकि दोषियों को जल्द सजा दिलाई जा सके और पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने थाना पहुंचने वाले पीड़ितों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने और उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। एसडीपीओ ने अपराध नियंत्रण के लिए संध्या और रात्रि गश्ती को और प्रभावी बनाने तथा संदिग्ध गतिविधियों और संदिग्ध लोगों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को जिले में भयमुक्त और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए पूरी गंभीरता से काम करने को कहा। साथ ही, फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में नगर थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार झा सहित जिले के विभिन्न थानों के थानाध्यक्ष, अंचल निरीक्षक एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मधुबन में शराब की बड़ी खेप पकड़ी, पिकअप से 864 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

बीएनएम@ मधुबन/मोतिहारी

» 100 कार्टून शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, एक आरोपित का पहले से आपराधिक इतिहास

मधुबन थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 864 लीटर अंग्रेजी शराब की खेप बरामद की है। पुलिस ने शराब लदी महेन्द्रा पिकअप को जब्त करते हुए दो कथित शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद शराब 100 कार्टून में रखी हुई थी। पुलिस के अनुसार, 6 सितंबर को गुप्त सूचना मिली थी कि मचहां गांव की सड़क से शराब की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना पर मधुबन पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर महेन्द्रा पिकअप BR05JB1913 की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से 100 कार्टून में कुल 864 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। मौके से पुलिस ने निशांत कुमार सिंह उर्फ पिन्टू सिंह, निवासी कौड़िया, और जितेश कुमार सिंह, निवासी मिरयासी, दोनों थाना मधुबन, को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार निशांत कुमार सिंह उर्फ पिन्टू सिंह का पहले से भी आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ मधुबन थाना में कांड संख्या 279/26, उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। इस मामले में मधुबन थाना कांड संख्या 306/26 दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कार्रवाई में थानाध्यक्ष पु०अ०नि० प्रवीण कुमार पाण्डेय, पु०अ०नि० गिरीन्द्र कुमार सिंह, स०अ०नि० कन्हैया लाल सहित मधुबन थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे।

गोशाला के सौंदर्यीकरण पर बनी रूपरेखा

बीएनएम@ जमुई/झाझा

नगर परिषद स्थित श्री कृष्ण गौशाला परिसर में गौभक्तों की एक महत्वपूर्ण बैठक उपाध्यक्ष सुरेश यादव की अध्यक्षता और सचिव दयाशंकर प्रसाद के संचालन में आयोजित की गई। बैठक में गौशाला की वर्तमान व्यवस्था, चल रहे निर्माण कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।उपाध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया कि गौशाला का भवन निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है और परिसर को स्वच्छ, व्यवस्थित तथा आकर्षक बनाने के लिए सौंदर्यीकरण की रूपरेखा तैयार की जा रही है।बढ़ती लागत और गौवंश के बेहतर रख-रखाव को ध्यान में रखते हुए बैठक में

सर्वसम्मति से एक अहम निर्णय लिया गया, जिसके तहत गौशाला से मिलने वाले दूध के मूल्य में 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। बैठक में कोषाध्यक्ष सौरभ गोयल, बबलू बरनवाल, अजय छापड़िया, प्रशांत सुल्तानिया, प्रमोद बरनवाल, बिनोद कुमार, सूरज कुमार, टिल्लू बंका और सुनील सहित कई गणमान्य गौभक्त उपस्थित रहे।

मुरला में चार दिवसीय जन्माष्टमी मेला, नौ को यूपी-नेपाल के पहलवान दिखाएंगे दांव-पेंच

पश्चिमी टोला में 6 से 9 सितंबर तक चलेगा भव्य आयोजन, दंगल को लेकर खेलप्रेमियों में बढ़ा उत्साह

बीएनएम@ रामगढ़वा

विजय कुमार। ग्राम पंचायत राज मुरला के पश्चिमी टोला में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर चार दिवसीय भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक मेले का आयोजन किया जा रहा है। 6 से 9 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस मेले को लेकर आयोजन समिति ने तैयारियां तेज कर दी हैं। धार्मिक उत्सव के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों और दंगल को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह है। मेले का मुख्य आकर्षण 9 सितंबर को होने वाला रोमांचक दंगल मुकाबला होगा। इसमें उत्तर प्रदेश और पड़ोसी देश नेपाल से नामी पहलवानों के पहुंचने की बात आयोजकों ने कही है। पहलवान अखाड़े में अपने दांव-पेंच आजमाएंगे। दंगल देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में खेलप्रेमियों के पहुंचने की उम्मीद है। इधर, युवा मुखिया प्रत्याशी अनीश कुमार उर्फ लालू भाई ने मेला स्थल पर पहुंचकर आयोजन समिति के सदस्यों से मुलाकात की और तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मेले और दंगल का सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन समिति के सदस्यों की मेहनत, समर्पण और स्थानीय लोगों के सहयोग से ही संभव होगा। मेले की व्यवस्था और संचालन में शैलेन्द्र ठाकुर, अंकुर ठाकुर, सन्नी श्रीवास्तव, बिनोद राम, लछन ठाकुर, पुन्नू ठाकुर, राजू ठाकुर और प्रमोद साह समेत समिति के अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह है और स्थानीय स्तर पर समिति के प्रयासों की सराहना की जा रही है।

ईंधन निश्चित रूप से हानिकारक

अपने यहां चर्चाओं के अभिजात्यवादी स्वरूप का ही उदाहरण है कि ई-20 का चलन बढऩे पर खाद्य सुरक्षा एवं जल उपलब्धता को लेकर आने वाली चुनौतियों की ओर किसी पक्ष ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है। वी. अनंत नागेश्वरन ने पेट्रोल में इथॉनोल की मिलावट पर चल रही बहस में साहसी हस्तक्षेप किया है। उन्होंने सरकार की ओर से पेश दलीलों से अलग विवेकपूर्ण राय सामने रखी है। उचित होगा कि केंद्र अपने मुख्य आर्थिक सलाहकार की बातों पर ध्यान दे और उनके परामर्श के मुताबिक आचरण करे। ई-20 ईंधन पर जारी विवाद में अब तक चर्चा इससे वाहनों को संभावित नुकसान पर केंद्रित रही है। जबकि नागेश्वरन ने इससे संबंधित एक अधिक दूरगामी महत्त्व के पहलू की चर्चा कर बहस को अधिक व्यापक आयाम दिया है। यह हमारे समाज में चर्चाओं के अभिजात्यवादी स्वरूप का ही परिणाम है कि ई-20 का चलन बढऩे पर उससे खाद्य सुरक्षा एवं जल उपलब्धता को लेकर आने वाली चुनौतियों पर किसी पक्ष ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है। नागेश्वरन की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने इस मुद्दे पर भी रोशनी डाली है। आर्थिक मामलों के मंत्रालय में कंसल्टैंट आकाश पुजारी के साथ एक अखबार में लिखे लेख में नागेश्वरन ने ध्यान दिलाया कि इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना और अनाज-खासकर मक्के का उपयोग होता है। इसकी मांग बढऩे पर किसान अधिक जमीन पर इन फसलों की खेती के लिए प्रेरित हो सकते हैं। इससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा एक लीटर इथेनॉल बनाने के लिए हजारों लीटर पानी की जरूरत पड़ती है। जिस समय भू-जल के नीचे जाने की समस्या से कई राज्य जूझ रहे हैं, इथेनॉल का उपयोग बढ़ाने का मतलब जल संसाधनों पर दबाव बढ़ाना होगा। भारत अगर ई-27 या ई-30 जैसे उच्च मिश्रणों की ओर बढ़ा, तो यह दबाव और बढ़ेगा। वाहनों को नुकसान और माइलेज घटने संबंधी चिंताओं को भी नागेश्वरन ने सिरे से खारिज नहीं किया है। बल्कि कहा है कि ई-20 से रबर सील और काब्यूरिटर वाले पुराने वाहनों में समस्या हो सकती है। तकरीबन आठ करोड़ पुराने दोपहिया वाहनों के लिए तो यह ईंधन निश्चित रूप से हानिकारक है। इसलिए उन्होंने ई-10 को वापस लाने तथा जल एवं फसल संबंधी चिंताओं का ठोस आकलन करने की सलाह दी है। सरकार को अविलंब और बेहिचक इस दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए।

शिक्षक गढ़ते कल का भारत

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवसÓ के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवसÓ के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में 'आचार्यदेवो भवÓ का संदेश दिया गया है। सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम उत्साह और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्Ó में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया हैः 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत् शिष्यात् इच्छेत् पराजयम्Ó। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय की कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी। शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है।

शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओड़िशा के राइरंगपुर में स्थित 'श्री ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूलÓ में बच्चों को पढ़ाया है। विभिन्न विषयों को पढ़ाने के अलावा मैं बच्चों के साथ संगीत, खेल-कूद और नाटक की तैयारियों में पूरे मन से उनकी सहायता करती थी। बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। विद्यार्थियों को सुंदर प्राकृतिक स्थलों पर पिकनिक के लिए ले जाना तथा खेल-खेल में उन्हें जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के बारे में जानकारी देना मुझे बहुत सार्थक लगता था। स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं। मुझे अपने अनेक विद्यार्थियों के नाम तो याद हैं ही, उनको पुकारने के उपनाम भी मुझे आज तक याद हैं। मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं। लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उनसे मिलने का असाधारण अनुभव बच्चों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना रहेगा। उन बच्चों की प्रगति को देखकर मुझे विशेष सार्थकता की अनुभूति होती है।

शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए 'रोल मॉडलÓ बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्रोत होता है। माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। शिक्षक की भावना, आचरण और व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे बच्चों में भय और आशंका न उत्पन्न हो, उनका मनोबल न टूटे तथा उनमें हीन भावना न पैदा हो। अच्छे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि विद्यार्थी अपने सर्वोत्तम स्वरूप को प्राप्त कर सकें। विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवंत प्रतिमान होते हैं। हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरिÓ की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

लोकतंत्र का कॉर्पोरेट स्वरूपः जब जनता के खून-पसीने पर पलती है सत्ता की तिजोरी

निमिषा सिंह

आम आदमी की अंतहीन दौड़ और सत्ता के गलियारों में पलने वाली बेहिसाब रईसी के बीच का विरोधाभास आज के भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा सच बन चुका है। एक तरफ जहाँ मेहनतकश जनता महंगाई और टैक्स के बोझ तले पिस रही है, वहीं दूसरी तरफ देश के सबसे रसूखदार राजनीतिक दल के बैंक खातों में साइलेंट क्रेडिट के रूप में हर रोज़ एक करोड़ रुपए से ज़्यादा की रकम महज़ ब्याज के रूप में टपक पड़ती है। यहाँ एक बेहद झकझोर देने वाला सवाल खड़ा होता है कि जिस देश में आम आदमी अपनी ईएमआई और बच्चों की स्कूल फीस चुकाने के लिए कर्ज के दलदल में धंसता जा रहा है, उस देश की सत्ता इतनी अमीर कैसे हो गई कि वह महज़ बैंक ब्याज के दम पर एक अजेय साम्राज्य चला रही है? और उससे भी बड़ा विरोधाभास यह है कि यदि बेहिसाब पैसा कमाने का यह नायाब मॉडल सत्ता ने खोज लिया है, तो फिर सरकारी विज्ञापनों और टीवी स्टूडियोज़ में ढोल क्यों पीटा जा रहा है कि देश की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की रफ्तार से दुनिया में सबसे तेज़ दौड़ रही है? यह 7.8 प्रतिशत की छलांग आखिर किसकी है—आम जनता की या इस राजनीतिक दल की तिजोरी की। दावा किया जा रहा है कि भारत 7.8 प्रतिशत की दर से तरक्की कर रहा है और हम ग्लोबल इकॉनमी का ब्राइट स्पॉट हैं।

लेकिन सवाल यह है कि अगर देश इतनी ऊंचाइयों को छू रहा है, तो देश का आम आदमी इतना थका हुआ और पस्त क्यों है? अगर समृद्धि की बाढ़ आई हुई है, तो आज भी 80 करोड़ लोगों को 5 किलो मुफ्त राशन की लंबी कतारों में क्यों खड़ा होना पड़ रहा है? यदि विकास ऐतिहासिक है, तो देश का 45 प्रतिशत युवा वर्ग बेरोज़गारी और अंडरएम्प्लॉयमेंट के अंधकार में क्यों भटक रहा है? ये सवाल किसी राजनीतिक दल के आरोप नहीं हैं, बल्कि यह देश के पूर्व वित्त सचिव और आर्थिक मामलों के सचिव सुभाष चंद्र गर्ग के उस आधिकारिक विश्लेषण पर आधारित हैं, जिसे उन्होंने खुलकर सार्वजनिक किया था। गर्ग के अनुसार, सरकार जिस 7.8प्रतिशत या 8 प्रतिशत के विकास का दावा करती है, वह ज़मीनी हकीकत नहीं बल्कि सांख्यिकी मंत्रालय का एक डिफ्लेक्टर डिस्टॉर्शन है। अगर इस गणितीय धोखे को हटा दिया जाए, तो पिछले पांच सालों की वास्तविक औसत विकास दर महज़ 4 से 4.1 प्रतिशत के बीच ठहरती है, जो 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद से भारत का सबसे सुस्त और कमज़ोर दौर है। अर्थशास्त्र का एक बुनियादी नियम है—रियल जीडीपी निकालने के लिए नॉमिनल जीडीपी को जीडीपी डिफ्लेक्टर से भाग दिया जाता है। सरकार इस डिफ्लेक्टर को तय करने के लिए थोक मूल्य सूचकांक (WPI) का सहारा लेती है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब कमोडिटी सस्ती होती है, तो थोक महंगाई गिरकर शून्य या माइनस में चली जाती है। कागज़ पर डिफ्लेक्टर छोटा हो जाता है और जब आप नीचे की इस संख्या को कृत्रिम रूप से छोटा कर देते हैं, तो फॉर्मूले के तहत स्क्रीन पर दिखने वाली रियल जीडीपी अपने आप छलांग लगाकर 7.8 प्रतिशत दिखने लगती है। लेकिन ज़मीन पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI)—यानी वह महंगाई जिससे आम जनता का पाला सब्जी मंडी और किराने की दुकान पर पड़ता है—वह लगातार 7 प्रतिशत पर खूंटी की तरह गड़ी हुई है।

इसके पुख्ता प्रमाण स्पष्ट हैंः देश की अर्थव्यवस्था का 60 प्रतिशत हिस्सा आम जनता के खर्च पर टिका है, लेकिन पिछले दो सालों में जनता के उपभोग की विकास दर महज़ 3 से 4 प्रतिशत के बीच सिमट कर रह गई है। लोग केवल जीवन जीने लायक न्यूनतम ज़रूरतें ही खरीद पा रहे हैं। देश की टॉप 500 लिस्टेड कंपनियों की रेवेन्यू ग्रोथ सिंगल डिजिट (5-6 प्रतिशत) पर आ गई है। अगर उत्पादन बढ़ रहा है, तो कारखानों का माल बाजार में क्यों अटका हुआ है? सरकारी आंकड़े केवल फॉर्मल कॉर्पोरेट डेटा को नापते हैं। नोटबंदी और जीएसटी के बाद जिस 80 प्रतिशत असंगठित भारत (छोटे कारीगर, रेहड़ी-पटरी वाले, छोटी वर्कशॉप) की रीढ़ टूटी, उसका कोई डेटा इन तिमाहियों में नहीं जोड़ा जाता।

अब उस समानांतर दुनिया की तरफ देखिए जहाँ मंदी शब्द का कोई अस्तित्व ही नहीं है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ऑडिट रिपोर्ट्स और चुनाव आयोग के आंकड़ों को एक कतार में रखें तो तस्वीर साफ हो जाती है। 2013-14 में सत्ता में आने से पहले देश की सत्ताधारी पार्टी की कुल घोषित संपत्ति 780.74 करोड़ रुपए थी, जो 21-22 तक बढ़कर 6,046.81 करोड़ और नवीनतम रिपोर्ट्स आते-आते 12,171 करोड़ रुपए के पार चली गई। एक दशक के भीतर संपत्ति में 1450 प्रतिशत से ज़्यादा का यह उछाल दुनिया के किसी भी कॉर्पोरेट दिग्गज को पीछे छोड़ देता है। नवीनतम ऑडिट रिपोर्ट्स के हिसाब से, पार्टी ने बैंकों में जमा अपनी सावधि जमा (FD) पर केवल ब्याज के ज़रिए 369 करोड़ रुपए से ज़्यादा की कमाई की। इस गणित को ज़रा गहराई से समझिए सालाना कमाईः 369 करोड़ रुपए यानी अगर कल सुबह पार्टी यह ऐलान कर दे कि उसे किसी भी कॉर्पोरेट से कोई चंदा या इलेक्टोरल बॉन्ड नहीं चाहिए और अपने सारे दानपात्र सील कर दिए जाएं, तब भी उसके बैंक खातों में हर रोज़ 1 करोड़ रुपए से ज़्यादा का शुद्ध ब्याज बिना एक पत्ता हिलाए टपकता रहेगा।

देश के पूरे विपक्ष की कुल सालाना चुनावी फंडिंग को एक तरफ जोड़ लीजिए, अकेले सत्ताधारी दल का सिर्फ एक साल का बैंक ब्याज पूरे विपक्ष को आर्थिक रूप से चित करने के लिए काफी है। जब किसी राजनीतिक दल के पास अथाह धन आ जाता है, तो वह लोकतंत्र में अपनी मोनोपॉली मज़बूत कर लेता है। 2015-16 के बाद से देश के 800 से ज़्यादा संगठनात्मक जिलों में पार्टी के अपने निजी, वातानुकूलित और बहुमंजिला कॉर्पोरेट हेडक्वार्टर खड़े हो चुके हैं। इन आधुनिक दफ्तरों में लीज्ड इंटरनेट, हाई-एंड सर्वर और 24 घंटे का डेटा मॉनिटरिंग रूम है, जो सीधे राजधानी के कमांड सेंटरों से जुड़ा हुआ है। इस विशाल तकनीकी बुनियादी ढांचे का सबसे खतरनाक इस्तेमाल आपके चुनावी अधिकारों पर होता है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपका सहयोग जीवनसाथी के काम में बहुत मदद करेगा। आज रोजगार सम्बन्धी कोई खुशखबरी मिल सकती है। आज आपको काम में एक्स्ट्रा मेहनत करनी पड़ सकती है। आज किसी व्यक्ति से आपकी दोस्ती होगी। आप अपने सरल स्वभाव के कारण लोग आपसे प्रभावित होंगे। आज आपके माता-पिता आपके कार्यों में सहयोग करेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज घर में नन्हें मेहमान के आने का योग बना हुआ है। आपका घर खुशियों से भर जायेगा। आज सामने आयी चुनौती का डट कर सामना करने में सफल होंगे। इस राशि के जो लोग अभी-अभी नये काम की शुरुआत किये हैं उनको अपने काम पर ध्यान देनें की जरूरत है। आपके आसपास कोई धार्मिक कार्यक्रम होगा जिसमें आप भी शामिल हो सकते हैं। आज लवमेट से बात करते समय अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे तो आपका काम आसानी से पूरा हो जायेगा, हर निर्णय सोच-समझकर लें। आपके द्वारा की गयी सामाजिक कार्यों से लोग प्रभावित होंगे। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, किसी नए प्रोजेक्ट पर काम मिलेगा, जिसे पूरी लगन व मेहनत से पूरा करेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आपको आज किसी अच्छी कंपनी द्वारा जॉब का ऑफर मिलेगा। आज आपको बिजनेस से रिलेटेड यात्रा करनी पड़ सकती है। प्रॉपर्टी खरीदने का विचार बना रहे लोग आज किसी प्रॉपर्टी डीलर्स से बातचीत करेंगे। इस राशि के जिन लोगों का बर्थडे है वह अपने साथियों के साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे। किसी प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। अभी तक आप जिस बात से परेशान थे, आज आपको उससे छुटकारा मिल जायेगा। आज अपनी समस्या किसी व्यक्ति के सामने सोच-समझकर शेयर करें। कोई भी फैसला समझदारी से लें। पेरेंट्स बच्चों के साथ किसी शॉपिंग मॉल में घूमने जायेंगे, जिससे बच्चों में उत्साह देखने को मिलेगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज किसी विशेष परिस्थिति में आपके सही निर्णय लेने की क्षमता से आपको सॉल्यूशन मिल जायेगा। अगर बहुत दिनों से किसी से मिलने की सोच रहे हैं तो आज का दिन अच्छा है। परिवार में चल रही अनबन से आज छुटकारा मिलेगा फिर से लोगों में तालमेल बन जायेगा। आज कार्यस्थल पर किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को मिलेगा, जिसे पूरा करने के लिए आप उत्साहित रहेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपका संपर्क किसी प्रभावशाली व्यक्ति से होगा, जिससे मिलकर आप कुछ नया सीखेंगे और अपने जीवन में फॉलो करेंगे। बेकार में समय न नुकसान करें कुछ न कुछ काम करते रहें साथ ही साथ जहाँ तक संभव हो दूसरों की सहायता भी करें।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप दिन भर कई छोटे-मोटे कामों को करने में व्यस्त रहेंगे। अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अनुभवी लोगों की सलाह मानना आपके लिए अच्छा रहेगा। आज भागदौड़ वाला काम होने से आपको थकावट महसूस होगी, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप माता के साथ उनके किसी मनपसंद जगह पर घूमने जायेंगे। आज आपको नकारात्मक लोगों से दूरी बनाकर रहने की जरूरत है। आज कोई आपके ख़िलाफ़ षड्यंत्र बना सकता है, आस-पास की गतिविधियों पर नजर रखें। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके जो भी काम हैं उनको करने में देरी नहीं करेंगे तो आपका काम बिना रूकावट के पूरा हो जायेगा। इस राशि के सिंगर्स का कोई गाना आज ज्यादा से ज्यादा लोगों को पसंद आएगा। क्रिकेट से जुड़ी महिलाओं के लिए आज नयी उंचाइयों तक ले जाने वाला साबित होगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में ख़ुशी का माहौल रहेगा। आप किसी बात को लेकर मन ही मन खुश रहेंगे। आपके अच्छे विचार लोगों को काफी पसंद आयेंगे लोग आपकी बातों को अहमियत देंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज ज्यादा काम के कारण आपकी व्यस्तता बनी रहेगी। लेकिन आप कुछ समय निकालकर घर के बड़े-बुजुर्गों के साथ समय बिताएंगे और कुछ पुरानी यादों को ताज़ा करेंगे। आज आप अपने सहकर्मियों के कार्यों को पूरा करने में सहयोग करेंगे। हेल्थ से रिलेटेड प्रॉब्लम्स आज खत्म होंगी।

परमात्मा ही खोलते है ज्ञान का तीसरा नेत्र!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

जब सर्वोच्च सत्ता परमात्मा स्वयं मार्गदर्शक के रूप में हम सभी आत्माओं का मार्गदर्शन करने आएंगे और जीवन मुक्ति के पथ की ओर चलने की हमारी यात्रा का नेतृत्व करेंगे।गुरु-शिष्य परंपरा तो हमारी संस्कृति की पहचान है। हमारे देश में शिक्षक अर्थात गुरु को तो भगवान से भी बढ कर बताया गया है। संस्कृत का यह श्लोक दर्शाता है कि प्राचीन काल से ही भारत में गुरुजनों को कितना सम्मान दिया जाता रहा हैः

गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।

गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अर्थात्: गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही शंकर है; गुरु ही साक्षात परमब्रह्म अर्थात परमात्मा शिव हैं; ऐसे गुरु का मैं नमन करता हूँ। आज शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से बदल चुकी है, जहाँ पहले गुरुकुल प्रणाली के अंतर्गत शिक्षा दी जाती थी वहीँ आज ई लर्निंग का चलन आ चूका है। आज हम डिजिटल इंडिया में प्रवेश कर चुके हैं, जिसका असर हमारी शिक्षा प्रणाली पर भी पड़ा है। घर बैठे सात समुंदर पार के शिक्षक भी हमारे शैक्षणिक विकास में सहयोग दे रहे हैं। किन्तु आधुनिकता और नई तकनिकी के इस दौर में हमारे शिक्षकों की भूमिका पर शिक्षक दिवस का महत्त्व क्या है इस पर विचार करना भी आज की प्रासंगिता है क्योंकि आज जहाँ एक तरफ हमारे साक्षरता की दर बढ़ रही हैं वहीँ दूसरी तरफ समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। आज देश में बढती अराजकता के लिये कहीं न कहीं हमारी शैक्षणिक व्यवस्था भी जिम्मेदार है। बाल्यवस्था की शिक्षा वह नीव है जहाँ आध्यात्मिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का बीज भी रोपित किया जाता है, जिससे बचपन से ही बच्चे सामाजिक मूल्यों को समझ सकें। परंतु हमारे देश की ये कड़वी सच्चाई है कि प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की अनुपस्थिती तथा बुनियादी शैक्षणिक ढांचे में बहुत कमी है। आज उच्च गुणंवत्ता वाली शिक्षा के लिये अधिक फीस देनी पड़ती है, जो सामान्य वर्ग के लिये एक सपना होती है। लिहाज़ा एक बहुत बड़ा बच्चों का वर्ग उचित शिक्षा के अभाव में रास्ता भटक जाता है। कई जगहों पर तो नकल से पास कराने में शिक्षक इस तरह सहयोग करते हैं कि, बच्चों के मन में उनके प्रति सम्मान न रहकर एक व्यवसायी की तस्वीर घर कर जाती है। आज शिक्षा, सेवाभाव के दायरे से निकलकर आर्थिक दृष्टी से लाभ कमाने की ओर अग्रसर है। जबकी शिक्षकों की जिम्मेदारी तो इतनी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि उनको बच्चों के सामने ऐसा आदर्श बनकर प्रस्तुत होना होता है, जिसका अनुसरण करके छात्र/छात्राओं का शैक्षणिक विकास ही नही अपितु नैतिक विकास भी सार्थकता की ओर पल्लवित हो।

हमारे देश में प्रतिभावान विद्यार्थियों की कोई कमी नही है जरूरत है उन्हे तराशने और मूल्य आधारित शिक्षा के प्रकाश से अवलोकित करने की है।कबीर के शब्दों में,

गुरु कुम्हार और शिष्य कुंभ है, गढी-गढी काढै खोट ।

अंतर हांथ सहार दे, बाहर बाहै चोट।।

अर्थातः शिक्षक तो कुम्हार के समान है, जो अपने शिष्य को ऐसे तराशता है जिससे उसके मन में कोई भी बुराई न रह जाये और इस दौरान शिक्षक का मर्मस्पर्शी व्यवहार उसे भावनात्मक बल भी देता है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ऐसा संस्थान है जहां परमात्मा स्वयं पढ़ाते है और वही परमात्मा एक मात्र शिक्षक व गुरु है? प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय एक ऐसी अनूठी आध्यात्म ज्ञान और चरित्र निर्माण की शिक्षण संस्था है जहां प्रतिदिन स्वयं परमात्मा ही पढ़ाते है।जो पाठ प्रतिदिन ब्रह्माकुमारीज के 140 देशों में फैले साढ़े आठ हजार सेवा केंद्रों पर निमित्त भाई बहनों द्वारा पढाया जाता है उसे ईश्वरीय वाणी ही कहा जाता है| इस मुरली रूपी पाठ मे परमात्मा सीधे अपने बच्चो अर्थात इस संगम युगी आत्माओ से संवाद करते है |यह मुरली विभिन्न भाषाओ मे छपकर दुनिया के 140देशो मे एक साथ प्रसारित होती है. मुरली की भाषा कोई भी हो लेकिन सबमे विचार एक ही होता है |मजेदार बात यह भी है कि यह मुरली प्राय दुनिया मे सब जगह स्थानीय समय के अनुसार सुबह, दोपहर, शाम एक ही समय पर पढ़ी व सुनाई जाती है |यह मुरली जो कि चार पृष्ठों मे समाहित होती है, मे जीवन की हर समस्या का समाधान भी सहज ही मिल जाता है |यदि आप रोज मुरली सुनते या पढ़ते है तो आपके मन मे कोई भी शंका, समस्या, प्रश्न पैदा होता है तो उसका उत्तर आपको हर हालत मे मुरली के अंदर ही मिल जाएगा |इसके लिए अलग से किसी शिक्षक, गुरु, संत, महात्मा के पास जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी |मुरली मे पांचो विकारो से मुक्ति के उपाय सुझाये जाते है तो इन विकारो को छोड़ने के लिए प्रेरित भी किया जाता है |सबसे बड़ी बात यह है कि मुरली किसी धर्म विशेष का प्रचार नहीं करती, मुरली मे हिन्दू सनातन. मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध आदि धर्मों की विशेषताओं और उनके प्रति सम्मान भी अभिव्यक्त किया जाता है |तभी तो इस संस्था मे सभी धर्मों से जुड़े लोग श्रद्धा भाव के साथ दौड़े चले आते है |दरअसल मुरली हमें वास्तविक गीता का ज्ञान देती है, जो परमात्मा शिव के द्वारा रचित है |इस मुरली मे हर रोज नए विषय पर ज्ञान चर्चा होती है और मनुष्य के आदि, मध्य, अंत के बारे मे बताया जाता है |वास्तव मे मनुष्य है क्या? वह कहा से आता है, कहा चला जाता है |परमात्मा कौन है, उसका क्या स्वरूप है, परमात्मा का आत्मा से क्या संबंध है |आत्मा हमारे शरीर मे कहा रहती है |शरीर के बजाए आत्म स्वरूप मे रहने के क्या फायदे है |परमात्मा को याद करना क्यों जरूरी है, परमात्मा को याद करने की उत्तम विधि क्या है. हम हर समय सामान्य कामकाज करते हुए व गृहस्थ मे रहकर भी संत समान कैसे रह सकते है, इन सब पर मुरली मे पढ़ने व सुनने को मिलता है |सबसे बड़ी बात मुरली मे यह है कि जो व्यक्ति नियमित मुरली सुनता है या फिर पढ़ता है वह शंकाओ और दुविधाओ से दूर हो जाता है |उसके मन मे व्यर्थ के विचार आने कम हो जाते है और उसकी अच्छा सोचने व अच्छा करने की शक्ति पढ़ जाती है|मुरली सुनना भी एक प्रकार का नशा है जिसे हम ईश्वरीय प्रेम का नशा भी कह सकते है |मुरली से अंहकार से मुक्ति मिल जाती है |व्यक्ति निरहंकार युक्त जीवन जीने मे आनंद प्राप्त करता है |चूंकि मुरली सीधे सीधे ईश्वरीय वाणी है इसलिए उसमे दिये संदेशो को परमात्मा का संदेश मानकर लोग अपने जीवन को शांतिमय व सुखमय बना लेते है | मुरली केवल ब्रह्माकुमारीज सेवा केन्द्रो पर संस्था से जुड़े लोगो के लिए ही उपलब्ध नहीं बल्कि जनसामान्य के लिए भी नेट पर, पीस आफ माइंड चैनल पर, रेडियो मधुबन पर, वाहट्स ऐप पर, फेसबुक पर मौजूद रहती है |लेकिन मुरली की संवाद भाषा थोड़ी अलग है इसलिए इसे सुनने व पढ़ने से पहले यदि ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा निशुल्क संचालित सात दिन का आध्यात्मिक ज्ञान पाठ्यक्रम पूरा कर लिया जाए तो मुरली सहजता से समझ आने लगेगी और जीवन को सफल बनाने मे मदद मिल जायेगी | हमारा सबसे बड़ा गुरु परमपिता परमात्मा शिव हैं जिन्हें हम अलग-अलग नामों के साथ याद करते हैं। परमात्मा एक है और आत्मा उस सचे परमपिता परमात्मा की संतान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान काल में प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय यही सेवा कर रहा है कि हर एक आत्मा परमात्मा को पहचान कर अपना तीसरा नेत्र खोले और परमात्मा के सिवाए कोई मानवीय आत्मा किसी का भी तीसरा नेत्र नहीं खोल सकती। संसार में गुरुओं के बारे में जो दावे किए जाते हैं कि वह अपने भक्तों के सभी पापों को खत्म करने में सक्षम होते हैं एवं सभी देवताओं के ऊपर हैं इत्यादि, यह सभी दावे केवल उस एक सतगुरु परमात्मा के लिए ही किए जा सकते हैं, न कि किसी देहधारी के लिए क्योंकि अन्य सभी तो हमारे जैसे नश्वर प्राणी हैं जो समय और प्रकृति की सीमाओं से बंधे हुए हैं। अतः वे एक सीमित हद तक ही हमारा मार्गदर्शन कर सकते हैं। दूसरा किसी अन्य व्यक्ति के पापों को खत्म करने की अवधारणा कर्म के कानून के विपरीत है क्योंकि उसके अनुसार हर आत्मा को उसके कर्मानुसार फल की प्राप्ति होती है। अतः पापियों के पाप यदि कोई हर सकता है तो वह केवल एक सतगुरु परमात्मा ही हैं जो गुरुओं के भी गुरु हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

वनडे वर्ल्ड कप के 'हिटमैन' रोहित शर्मा, रिकॉर्ड्स की दुनिया में सचिन-वॉर्नर को भी छोड़ा पीछे

- 28 मैचों में 1575 रन, रिकॉर्ड 7 शतक और 54 छक्के
- विश्व कप इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रोहित

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा का नाम वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार है। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, शानदार टाइमिंग और बड़े मुकाबलों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के कारण 'हिटमैन' के नाम से मशहूर रोहित ने विश्व कप के मंच पर कई ऐसे रिकॉर्ड बनाए हैं, जो उन्हें क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की सूची में विशेष स्थान दिलाते हैं। रोहित शर्मा अब तक 2015, 2019 और 2023 के तीन वनडे विश्व कप खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 28 मुकाबलों में 60.57 की शानदार औसत से कुल 1575 रन बनाए हैं। विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में रोहित चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग जैसे दिग्गज मौजूद हैं। विश्व कप में रोहित की सबसे बड़ी ताकत बड़े स्कोर और शतक लगाने की उनकी क्षमता रही है। वनडे विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम दर्ज है। उन्होंने केवल 28 मैचों में 7 शतक लगाए हैं। इसके अलावा उनके नाम 6 अर्धशतक भी दर्ज हैं। रोहित का विश्व कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 140 रन है। उन्होंने यह यादगार पारी 2019 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेली थी। शतकों के मामले में रोहित ने सचिन तेंदुलकर और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम विश्व कप में 6-6 शतक दर्ज हैं। छक्के लगाने के मामले में भी रोहित शर्मा का दबदबा कायम है। वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। रोहित ने विश्व कप मुकाबलों में अब तक 54 छक्के लगाए हैं। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 50 से अधिक छक्के लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं। इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ा है, जिनके नाम विश्व कप में 49 छक्के दर्ज हैं। रोहित शर्मा के ये आंकड़े साबित करते हैं कि वनडे विश्व कप के मंच पर उनका बल्ला हमेशा विपक्षी गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहा है।

पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत पर हरमनप्रीत ने खुशी जतायी

एजेंसी, दुबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एशिया कप के ग्रुप ए के मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि टीम को ये सफलता एकजुट होकर खेलने से मिली। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में पाक को सात विकेट से हराया था जीत के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि हमने इस मैच में भी प्रकार की ढ़ील न देते हुए पूरी ताकत से प्रयास किया था। इस मुकाबले में भारतीय स्पिनरों श्री चरणी, प्रेमा रावत, शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाक महिला टीम को उसके अब तक के सबसे कम स्कोर 55 रनों पर ही आउट कर दिया। इसके बाद, भारतीय बल्लेबाजों ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को केवल तीन विकेट खोकर 8.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। जीत के बाद हरमनप्रीत ने कहा, यह हमारे लिए बहुत अहम मुकाबला था। हम हमेशा आक्रामक रवैया अपनाने की बात करते हैं, और मैं इस बात से बेहद खुश हूं कि सभी गेंदबाजों ने अपनी अेर से काफी अच्छा खेल दिखाया। हमले जो योजना बनाथी उसपर उन्होंने पूरी तरह से अमल किया और पिच के अनुसार गेंदबाजी की। इस जीत से हरमनप्रीत ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। उन्होंने बतौर कप्तान अपना 150वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। इस उपलब्धि के साथ ही वह पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों में यह रिकॉर्ड बनाने वाली विश्व की पहली क्रिकेटर बन गईं। अपनी उपलब्धि पर उन्होंने कहा, मैं आभारी हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंच पाऊंगी। उम्मीद है कि मैं इसी तरह अच्छा प्रदर्शन जारी रखूंगी और टीम को आगे बढ़ाती रहूंगी। गौरतलब है कि भारतीय महिला टीम के 228 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से हरमनप्रीत 205 में शामिल रही हैं।

श्रीकांत ने अगरकर-गंभीर पर उठाए सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज 13 सितंबर से शुरू होने जा रही है। सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज से पहले भारतीय टीम के चयन को लेकर पूर्व चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि हाल में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद चयनकर्ताओं ने अफगानिस्तान के खिलाफ जोखिम नहीं लेने के लिए लगभग पूरी ताकत वाली टीम चुनी है। भारत ने अफगानिस्तान सीरीज के लिए अपनी मजबूत टीम घोषित की है। यही टीम आगामी एशियन गेम्स में भी हिस्सा लेने वाली है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि आयरलैंड और इंग्लैंड में टी20 सीरीज हारने के बाद चयनकर्ताओं ने कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया। उनके मुताबिक अफगानिस्तान जैसी टीम के खिलाफ युवा खिलाड़ियों को मौका देकर भविष्य की टीम तैयार करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय पूरी ताकत वाली टीम चुनी गई। श्रीकांत ने इसे हताशा में लिया गया फैसला बताते हुए कहा कि टीम लगभग वैसी ही है, जैसी इंग्लैंड के खिलाफ चुनी गई थी। उन्होंने सवाल किया कि युवा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर क्यों नहीं दिया गया। पूर्व चयनकर्ता ने जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर के चयन पर भी सवाल उठाए हैं। इन चारों खिलाड़ियों को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उन्हें मैदान पर उतरने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 10 विकेट लेने वाले शीर्ष तेज गेंदबाज

एजेंसी, नई दिल्ली

क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में सफलता गति के साथ-साथ अनुशासन, नियंत्रण और स्विंग से मिलती है। इतिहास के पन्नों में कुछ ऐसे महान तेज गेंदबाज हुए हैं, जिन्होंने अकेले दम पर विरोधी टीम की कमर तोड़ दी और एक ही टेस्ट मैच में 10 या उससे अधिक विकेट चटकाकर अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया। इस सूची में सबसे ऊपर न्यूजीलैंड के महान ऑलराउंडर सर रिचर्ड हैडली का नाम चमकता है। 1973 से 1990 के बीच अपने 86 टेस्ट मैचों में हैडली ने 431 शिकार किए, लेकिन उनकी असली महानता 9 बार एक ही मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने से झलकती है। हैडली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15/123 रहा और उन्होंने 36 बार एक पारी में 5 विकेट भी लिए। आंकड़ों के लिहाज से इंग्लैंड के सिडनी बर्न्स का नाम अनूठा है। 1901 से 1914 के छोटे से दौर में बर्न्स ने सिर्फ 27 टेस्ट मैच खेले, लेकिन इनमें 7 बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। उनका गेंदबाजी औसत महज 16.43 का रहा और उन्होंने कुल 189 विकेट लिए, जिनमें 24 बार एक पारी में 5 विकेट और सर्वश्रेष्ठ 17/159 शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के डेनिस लिली उस दौर के गेंदबाज थे, जिनकी दहाड़ से बल्लेबाज सहम जाते थे। 1971 से 1984 के बीच 70 टेस्ट मैच खेलने वाले लिली ने अपने करियर में कुल 355 विकेट झटके। उन्होंने भी सिडनी बर्न्स की तरह ही 7 बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कीर्तिमान बनाया। 23 बार एक पारी में 5 विकेट लेने वाले लिली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11/123 रहा। पाकिस्तान क्रिकेट के सबसे बड़े नायकों में से एक इमरान खान ने 1971 से 1992 के बीच अपनी रिवर्स स्विंग से दुनिया पर हुकूमत की। 88 टेस्ट मैचों में 362 विकेट लेने वाले इमरान ने न केवल टीम की कमान संभाली, बल्कि 6 बार एक मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट हासिल किए। 23 बार पारी में 5 विकेट लेने वाले इमरान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 14/116 रहा।

इस लिस्ट में इंग्लैंड के एलेक बेडसर का भी नाम है, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपनी स्विंग का लोहा मनवाया। 1946 से 1955 के बीच 51 टेस्ट खेलने वाले बेडसर ने अपने करियर में 236 विकेट चटकाए। बेडसर ने 5 बार एक टेस्ट मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। केवल 2.21 की इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी करने वाले बेडसर का एक मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 14/99 रहा और उन्होंने 15 बार एक पारी में 5 विकेट लिए।

बिजनेस

अगले सप्ताह 15 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 9 शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

सोमवार यानी सात सितंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में अच्छी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह 15 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें 11 कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष चार आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह चार सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एकआईपीओ में भी इस सप्ताह आठ सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह नौ कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की जबकि शेष छह कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सात सितंबर को प्रणव कंस्ट्रक्शंस का 351.03 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में नौ सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 118 रुपये प्रति शेयर से लेकर 124 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 120 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सात सितंबर को प्रणव कंस्ट्रक्शंस का 351.03 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में नौ सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 118 रुपये प्रति शेयर से लेकर 124 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 120 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन अपना लॉजिस्टिक्स का 34.14 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी नौ सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 60 रुपये प्रति शेयर का फाइन इश्यू प्राइस तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन आठ सितंबर को कनोहर इलेक्ट्रिकल्स का 1,055.74 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 10 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 601 रुपये प्रति शेयर से लेकर 632 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 23 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 16 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन प्रसोल केमिकल्स का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी दस सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 643 रुपये प्रति शेयर से लेकर 676 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 22 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 16 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। आठ सितंबर को ही ग्लास वॉल सिस्टम्स का 427.89 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 10 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 172 रुपये प्रति शेयर से लेकर 182 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 82 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 16 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसके अगले दिन सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन नौ सितंबर को रेंटोमोजो लिमिटेड का 1,255.57 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 384 रुपये प्रति शेयर से लेकर 404 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 37 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

कोयला मंत्रालय ने 37,500 करोड़ रुपये की गैसीफिकेशन स्कीम में 'कोई खरीदार नहीं' वाली खबरों को खारिज किया

एजेंसी, नई दिल्ली

कोयला मंत्रालय ने 37,500 करोड़ रुपये की कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण प्रोत्साहन योजना के तहत आवेदन न मिलने की मीडिया की उन रिपोर्टों को खारिज किया है, जिनमें यह कहा गया है कि सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण प्रोत्साहन योजना को कोई आवेदन नहीं मिला है।

कोयला मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में स्पष्ट किया है कि 37,500 करोड़ रुपये की सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण प्रोत्साहन योजना को कोई आवेदन नहीं मिलने की खबरें तथ्यात्मक रूप से गलत और समय से पहले की गई आकलन हैं। पहले चरण के लिए आवेदन की प्रक्रिया 7 तक खुली है और आवेदन की संख्या का आकलन अंतिम तिथि के बाद ही किया जा सकता है। मंत्रालय ने मीडिया के एक वर्ग में प्रकाशित उन रिपोर्टों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि अधिकृत रिकॉर्ड से ये स्पष्ट करना चाहता है कि ऐसी रिपोर्टें समय से पहले प्रकाशित की गई हैं। ये योजना की स्थिति या आवेदन प्रक्रिया की वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाती हैं। आवेदन जमा करने की पहली अवधि की अंतिम तिथि 7 सितंबर है। इसलिए, आवेदन प्रक्रिया बंद होने तक पहली अवधि में प्राप्त आवेदनों की संख्या का आकलन नहीं किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि मंत्रालय को इस योजना में उद्योग जगत की अच्छी भागीदारी का पूरा भरोसा है। इस पहल से करीब 25 परियोजनाओं में 2.5 लाख करोड़ रुपये से 3 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश होने की उम्मीद है और लगभग 50 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह योजना 2030 तक 100 मिलियन टन कोयला गैसीकरण क्षमता हासिल करने के भारत सरकार के व्यापक लक्ष्य में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

एआई की मार, भारतीय जीसीसी में पारंपरिक नौकरियों पर संकट

एजेंसी, नई दिल्ली

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और स्वचालन भारत के वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) में पारंपरिक नौकरियों पर भारी पड़ रहे हैं। क्वेस कॉर्प की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन नई तकनीकों से लेनदेन वित्त, खरीद, ग्राहक सहायता और सामान्य एनालिटिक्स जैसी नियमित भूमिकाओं की मांग में उल्लेखनीय कमी आई है, जबकि विशेषज्ञ और तकनीक-आधारित पदों की मांग लगातार बढ़ रही है। 'जीसीसी 2.0: द राइज ऑफ डिजिटल बिजनेस फंक्शन्स' रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तुलना में 2025 में प्रोक्योरमेंट रोल (खरीद से संबंधित भूमिकाएं) की मांग में सर्वाधिक 41.7 फीसदी की गिरावट आई है। इसी तरह, एनालिटिक्स भूमिकाओं में 37.9 फीसदी, ग्राहक सेवा में 34.5 फीसदी और वित्त व जोखिम प्रबंधन से जुड़े अवसरों में 32.8 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। क्वेस ने इस बदलाव का कारण स्वचालन, केंद्रीकरण और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से कार्यों का पुनर्गठन बताया है। उदाहरण के लिए, लेनदेन संबंधी खरीद गतिविधियां अब तेजी से स्वचालित होकर रणनीतिक सोर्सिंग मॉडल में बदल रही हैं, वहीं ग्राहक सेवा भी स्वचालन और स्वयं सेवा विकल्पों की ओर अग्रसर है।

एलआईसी को आईसीआईसीआई बैंक में 9.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की आरबीआई से मिली मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को आईसीआईसीआई बैंक में 9.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से मंजूरी मिल गई है। आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को नियामक फाइलिंग में बताया कि एलआईसी ने आईसीआईसीआई बैंक में 9.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए आरबीआई से मंजूरी प्राप्त कर ली है। इस मंजूरी के बाद दोनों के बीच सौदा पूरा करने का रास्ता साफ हो चुका है। आरबीआई की ओर से जारी मंजूरी पत्र 4 सितंबर 2026 को रात 9:09 बजे प्राप्त हुआ है। यह अनुमति मिलने के बाद अब एलआईसी अगले एक साल के भीतर बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेगी। आरबीआई की इस अप्रूवल में 9.99 फीसदी हिस्सेदारी के लिए आईसीआईसीआई बैंक के पेड अप शेयर कैपिटल अथवा वोटिंग राइट्स का जिक्र है। ये मंजूरी एक साल के लिए मान्य है। अगर इस बीच एलआईसी ने सौदे को पूरा नहीं किया, तो स्वीकृति समाप्त हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि आईसीआईसीआई बैंक से पहले एलआईसी को देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक में भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की मंजूरी मिल चुकी है। 19 अगस्त को बैंक की नियामक फाइलिंग के अनुसार रिजर्व बैंक ने एलआईसी को एचडीएफसी बैंक की पेड-अप शेयर कैपिटल या वोटिंग राइट्स का 9.99 फीसदी तक अधिग्रहण करने की अनुमति दी थी।

अडाणी डिफेंस और इंडो-रशियन राइफल्स ने एके-203 के लिए गोला-बारूद की सप्लाई के लिए पांच साल का समझौता किया

एजेंसी, नई दिल्ली

अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) ने भारतीय सशस्त्र बलों की आधुनिक एके-203 असॉल्ट राइफल के लिए गोला-बारूद की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए शनिवार को पांच साल का ऐतिहासिक समझौता किया है। कंपनी ने जारी बयान में बताया कि अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ पांच साल का एक समझौता किया है। समझौते के तहत अडाणी डिफेंस पांच साल तक एके-203 के लिए 7.62x39 मिमी गोला-बारूद की सप्लाई करेगी। इस समझौते से आईआरआरपीएल द्वारा एके-203 राइफल का उत्पादन और अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के द्वारा गोला-बारूद का उत्पादन एक साथ आ गया है, जिससे भारत में एक इंटीग्रेटेड सप्लाई की चेन बन रही है। ये समझौता इस प्रोग्राम के लिए स्वदेशी 7.62x39 मिमी छोटे कैलिबर वाले गोला-बारूद की सप्लाई के लिए किया गया है। आईआरआरपीएल भारत और रूस का ज्वाइंट वेंचर है, जो कि भारत में एके-203 असॉल्ट राइफल बनाता है। अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड को 2019 में भारत-रूस के बीच सरकारी समझौते के तहत भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एके-203 असॉल्ट राइफल बनाने के लिए किया गया था। इसकी निर्माण इकाई उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के कोरवा में स्थित है। अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस कंपनी ने भारत में छोटे कैलिबर वाले गोला और बारूद के लिए मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं विकसित की हैं, जिसमें कानपुर में एक ऐसी सुविधा भी शामिल है जहां छोटे कैलिबर वाले गोला-बारूद का उत्पादन भी किया जा सकता है। यह समझौता छोटे हथियारों की सप्लाई चेन में घरेलू क्षमताओं को और मजबूत करता है और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को बढ़ावा देता है।

हुंकार-द रोर का दमदार टीजर जारी, सैयारा के बाद अनीत पड्डा ने दिखाया नया अवतार

सैयारा की वाणी यानी अनीत पड्डा अब एक नए और बिलकुल अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। अनीत नई ड्रामा सीरीज हुंकारः द रोर में नजर आने वाली हैं, जिसका टीजर जारी किया जा चुका है। यह सीरीज एक ऐसे आरोप के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ताकतवर सिस्टम को सवालों के घेरे में लाकर खड़ा कर देता है। कहानी 17 साल की मीनू रावत के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार अनीत पड्डा निभा रही हैं। मीनू बापजी के नाम से मशहूर जाने-माने कल्ट लीडर सुनील चाकोसी पर एक आरोप लगाती है, जिसके बाद बापजी के खिलाफ बड़ी जांच शुरू हो जाती है।

टीजर से साफ है कि एक आरोप से शुरू होने वाली कहानी जल्दी ही एक बड़ी लड़ाई में बदल जाती है और मामला पुलिस के बाद कोर्ट और मीडिया तक पहुंचता है और सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेता है। हुंकार के टीजर में तीन मुख्य किरदार देखने को मिलती हैं और तीनों किरदार एक ही लड़ाई को अलग-अलग तरीके से लड़ रहे हैं। एसीपी जसलीन सिंह सोनी पुलिस की तरफ से यह केस की कमान संभालती हैं। भलेराव एक स्ट्रगलिंग वकील हैं जो कोर्ट में केस लड़ रहे हैं, जबकि पत्रकार अमिताभ मीडिया के जरिए इस कहानी को कवर करते हैं। इस सीरीज में पुलिस की जांच से लेकर कोर्टरूम ड्रामा और मीडिया ट्रायल तक सब देखने को मिलेगा और जैसे-जैसे मामला आगे बढ़ता है, राष्ट्रीय स्तर पर ये केस चर्चा का विषय बन जाता है। इंस्टाग्राम पर टीजर शेयर करते हुए, अनीत पड्डा ने अपने फैंस को इस सीरीज के बारे में जानकारी दी और साथ ही ये भी बताया कि इसकी शूटिंग सैयारा से पहले ही हो गई थी। टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में अनीत ने लिखा- पेश है एक छोटी सी चीज जिसकी शूटिंग मैंने सैयारा से पहले की थी। हुंकार कुछ समय से मेरे सफर का हिस्सा रही है, और मुझे खुशी है कि आखिरकार मैं इसे आप सभी के साथ शेयर कर रही हूं। अब इंसाफ का इंतजार नहीं होगा, बस सच्चाई की हुंकार गूंजेगी। हॉटस्टार स्पेशलः हुंकार – द रोर, 25 सितंबर से सिर्फ जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। हुंकारः द रोर का निर्देशन करण डी कपाडिया, नित्या मेहरा और हीराज मरफातिया ने किया है। इस सीरीज में अनीत पड्डा के साथ फ़ातिमा शेख, अर्जुन माथुर, मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब, रघुबीर यादव और राम कपूर जैसे कलाकार शामिल हैं। हुंकारः द रोर का प्रीमियर 25 सितंबर को जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। अनीत पड्डा की बात करें तो वह शक्ति शालिनी में भी नजर आएंगी, जिसके सेट से पिछले दिनों अनीत के वीडियोज भी सामने आए थे। इन वीडियोज में अनीत स्कूल गर्ल वाले लुक में दिखाई दी थीं।

पूजा हेगड़े का रेड हॉट अवतार हुआ वायरल, इंडो-वेस्टर्न लुक में दिखीं बेहद ग्लैमरस

बॉ बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की गॉर्जियस एक्ट्रेस पूजा हेगड़े एक बार फिर अपने फैशनेबल और ग्लैमरस अवतार को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका लुक देखते ही बन रहा है। तस्वीरों में पूजा हेगड़े ब्राइट रेड कलर का बेहद अट्रैक्टिव इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन एंसेंबल पहने नजर आ रही हैं। उनकी यह ड्रेस एक प्री-ड्रैप्ड साड़ी और पेपलम स्टाइल कांबिनेशन का बेहतरीन मेल है। आउटफिट पर बारीक मिरर वर्क, सेक्विन और गोल्डन एम्ब्रॉयडरी का काम किया गया है। ट्रेडिशनल टच के साथ-साथ इसमें एक मॉडर्न ट्विस्ट भी दिया गया है। स्ट्रैपलेस कॉर्सेट-स्टाइल ब्लाउज और बैक पर बनी क्रॉस-डिटेलिंग पूजा हेगड़े के पूरे लुक को बोल्ड और एलिगेंट बना रही है। अपने इस गॉर्जियस रेड आउटफिट को कम्प्लीट करने के लिए पूजा ने ज्वेलरी को बेहद मिनिमल रखा है। उन्होंने हैवी गोल्ड और स्टोन-स्टडेड डैंगलर इयररिंग्स चुने हैं, जो उनके एथनिक टच को और बढ़ा रहे हैं। हेयर स्टाइलिंग की बात करें तो, उन्होंने अपने शॉर्ट हेयर को सॉफ्ट वेव्स के साथ ओपन रखा है। वहीं, न्यूड लिपकलर, सॉफ्ट स्मोकी आइज और हाइलाइटेड चीकबोन्स के साथ उनका सटल मेकअप उनके फेशियल एक्सप्रेशन को और उभार रहा है। रॉयल बैकड्रॉप और क्लासिक इंटीरियर के बीच खिंचवाई गई इन तस्वीरों में पूजा के बोल्ड और ग्रेसफुल पोज फैंस का ध्यान खींच रहे हैं। कभी सीढ़ियों के पास तो कभी विंटेज डोर के सहारे पोज देते हुए पूजा का कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन पूरी तरह से ऑन-पॉइंट नजर आ रहा है।

यूजर्स ने मन्नारा के लुक और वजन को लेकर की आपत्तिजनक टिप्पणियां

सो सोशल मीडिया पर अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा कर प्रशंसकों से जुड़ी रहती हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपना एक डांस वीडियो पोस्ट किया, जिसके बाद एक बार फिर बॉडी शेमिंग का शिकार हो गईं। हालांकि कई प्रशंसकों ने उनके वीडियो की तारीफ की, लेकिन कुछ यूजर्स ने उनके लुक और वजन को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं। मन्नारा ने अपने डांस वीडियो में अरूब खान के लोकप्रिय पंजाबी गीत 'गुच्ची' पर डांस किया। वीडियो में वह काले रंग के स्ट्रक्चर्ड जैकेट-स्टाइल आउटफिट में नजर आईं।

वीडियो साझा करते हुए उन्होंने लिखा, "जब आप पहले से ही एक ब्रांड हैं तो लेबल के पीछे क्यों भागें?" उनकी पोस्ट पर प्रशंसकों ने जमकर प्रतिक्रिया दी और कई लोगों ने उनके आत्मविश्वास और डांस की सराहना की। हालांकि कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके बढ़ते वजन को लेकर टिप्पणी की। एक यूजर ने लिखा कि वह मोटी क्यों हो रही हैं, जबकि दूसरे ने उन्हें मोटी बताया। एक अन्य यूजर ने उन्हें जिम जाकर व्यायाम करने की सलाह देते हुए कहा कि यह बॉडी शेमिंग नहीं, बल्कि प्रशंसक के तौर पर चिंता है। इस तरह की टिप्पणियों के बाद एक बार फिर सोशल मीडिया पर अभिनेत्री के शरीर और वजन को लेकर चर्चा शुरू हो गई। मन्नारा चोपड़ा इससे पहले भी अपने वजन को लेकर ट्रोलिंग का सामना कर चुकी हैं।

व्यस्तता के बीच अजय की नई हॉरर थ्रिलर फिल्म की शूटिंग शुरू

सि बॉलीवुड फिल्म धमाल 4 में अपनी अदाकारी दिखाने के बाद सुपर स्टार अजय देवगन ने हाल ही में टीवी पर क्राइम पेट्रोल के नए सीजन को होस्ट करते हुए बतौर होस्ट डेब्यू किया है। अजय देवगन की अगली फिल्म दृश्यम द कन्क्लूज़न भी जल्द ही दर्शकों के सामने होगी, जिसे लेकर फैंस में उत्सुकता बनी हुई है। इन सभी प्रोजेक्ट्स के बीच, अजय ने अपनी एक नई हॉरर थ्रिलर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका नाम अभी तय नहीं हुआ है। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से दो तस्वीरें साझा करते हुए खुद यह जानकारी दी। इन तस्वीरों में वे फिल्म की टीम के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, डर का माहौल बनने वाला है। हमारी अनटाइटल्ड हॉरर थ्रिलर फिल्म की शूटिंग आज से शुरू हो रही है। यह घोषणा उनके प्रशंसकों के लिए काफी रोमांचक है, खासकर उनकी पिछली सफल थ्रिलर फिल्मों के बाद। अजय देवगन की इस अनटाइटल्ड फिल्म का निर्देशन रोहित जुगराज कर रहे हैं, जिसकी पुष्टि अजय ने अपनी पोस्ट में की है। फिल्म का निर्माण अजय देवगन के अपने प्रोडक्शन हाउस अजय देवगन फिल्म्स के साथ-साथ पैनोरमा स्टूडियोज द्वारा भी किया जा रहा है, जो इसकी भव्यता का संकेत देता है। हाल ही में मिड डे की एक रिपोर्ट में इस फिल्म से जुड़ी कई जानकारियां सामने आई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का नाम गृह प्रवेश हो सकता है, हालांकि अजय ने इसे अभी अनटाइटल्ड ही बताया है। यह भी खबरें हैं कि अजय देवगन इसमें एक रहस्यमयी और डरावने किरदार में दिखेंगे, जो उनके साल 2005 की फिल्म काल में निभाए गए इसी तरह के किरदार की याद दिलाता है। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी का संबंध गरुड़ पुराण से होगा, जो इसे एक अनोखा और गहरा आयाम देगा, और दर्शकों को भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित एक रोमांचक अनुभव देगा। अजय देवगन दृश्यम और दृश्यम 2 जैसी सस्पेंस और क्राइम थ्रिलर फिल्मों से दर्शकों का दिल पहले ही जीत चुके हैं। इसके अलावा, साल 2024 में रिलीज हुई उनकी सुपरनैचुरल हॉरर और साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म शैतान को भी दर्शकों ने खूब सराहा था। अब वे एक बार फिर इसी जॉनर में एक और धमाकेदार फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसकी कहानी हालांकि उनकी पिछली फिल्मों से बिल्कुल अलग होगी।

मिर्जापुर द मूवी की बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत पहले दिन कमाए 24.75 करोड़, हनुमान अंश की भी रही धूम

सि नेमाघरों में शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हलचल देखने को मिली। साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'मिर्जापुर द मूवी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और पहले ही दिन टिकट खिड़की पर शानदार शुरुआत करते हुए 24.75 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म की रिलीज का असर पहले से सिनेमाघरों में चल रही कुछ फिल्मों के कारोबार पर भी देखने को मिला। 'मिर्जापुर द मूवी लोकप्रिय वीडियो प्रसारण मंच प्राइम वीडियो की चर्चित श्रृंखला पर आधारित है। फिल्म में श्रृंखला के लोकप्रिय किरदार एक बार फिर दर्शकों के सामने आए हैं। पंकज त्रिपाठी कालीन भैया, अली फजल गुड्डू पंडित और दिव्येंदु शर्मा मुन्ना भैया की भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। वहीं, रवि किशन फिल्म में बब्बन यादव का किरदार निभा रहे हैं। सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के मुताबिक, 'मिर्जापुर द मूवी ने रिलीज के पहले दिन भारत में 24.75 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की। इसमें हिंदी संस्करण से 24.60 करोड़ रुपये और तेलुगु संस्करण से 15 लाख रुपये की कमाई शामिल है। फिल्म की दमदार शुरुआत को देखते हुए इसके पहले सप्ताहांत में कारोबार और बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। 'मिर्जापुर द मूवी की रिलीज के बावजूद धार्मिक कथानक पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश के कारोबार पर खास असर दिखाई नहीं दिया। फिल्म ने रिलीज के 29वें दिन यानी पांचवें शुक्रवार को भी अच्छी कमाई की। सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के अनुसार, 'हनुमान अंश ने 29वें दिन 10 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही भारत में फिल्म की 29 दिनों की कुल शुद्ध कमाई 82.88 करोड़ रुपये हो गई है। फिल्म अब 100 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंच गई है।

यश की फिल्म 'टॉक्सिक को 'मिर्जापुर द मूवी की रिलीज का असर झेलना पड़ा है। फिल्म के कारोबार में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई और यह दूसरे शुक्रवार यानी रिलीज के 10वें दिन दो करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी। सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के मुताबिक, 'टॉक्सिक ने रिलीज के 10वें दिन 1.75 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का 10 दिनों का कुल शुद्ध कारोबार 241.05 करोड़ रुपये हो गया है। अभिनेता रवि तेजा की फिल्म 'इरुमुडी भी सिनेमाघरों में मजबूती से बनी हुई है। फिल्म ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को कमाई में तेजी दर्ज की। सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के अनुसार, 'इरुमुडी ने 15वें दिन 4.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म की 15 दिनों की कुल शुद्ध कमाई 154.40 करोड़ रुपये पहुंच गई है। शुक्रवार के आंकड़ों से साफ है कि 'मिर्जापुर द मूवी ने शानदार शुरुआत की है, जबकि लंबे समय से सिनेमाघरों में चल रही फिल्मों के बीच दर्शकों की पसंद को लेकर मुकाबला और दिलचस्प हो गया है।

मुसाफिर कैफे वाली वेदिका पिंटो के हाथ लगी प्रोसित रॉय की फिल्म, लक्ष्य संग जमेगी जोड़ी

ने नेटफ्लिक्स की सीरीज मुसाफिर कैफे (जुलाई, 2026) में नजर आईं वेदिका पिंटो के हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है। खबर है कि फिल्म निर्देशक प्रोसित रॉय की अगली मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में वह मुख्य किरदार निभाएंगी, जिसमें लक्ष्य की पुष्टि पहले से हो चुकी है। फिल्म का शीर्षक अब तक तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे एक अनूठी मनोवैज्ञानिक प्रेम कहानी बताया जा रहा है। लक्ष्य और वेदिका के रूप में दर्शकों को जल्द ही एक नई जोड़ी दिखाई देगी।

एक सूत्र ने कहा, वेदिका इस किरदार के लिए सबसे उपयुक्त हैं। इस भूमिका के लिए ऐसी अभिनेत्री की जरूरत है जो इसमें ताजगी और तीव्रता ला सके, और वह इस किरदार में बखूबी फिट बैठती हैं। प्रोसित को लक्ष्य के साथ जिस तरह की ऊर्जा चाहिए थी, उसके बारे में वे स्पष्ट थे, और वेदिका इसके लिए एकदम सही विकल्प साबित हुईं। उनकी जोड़ी बिल्कुल नई है, और निर्माता इसी बात को लेकर उत्साहित हैं। सूत्र ने आगे कहा, फिल्म निर्माता इस परियोजना को इस साल के अंत में निर्माण कार्य में लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। फिल्म 2027 में रिलीज होने की योजना है। बताया जा रहा है कि फिल्म में प्रेम-कहानी के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को गहराई से दिखाया जाएगा। एक पारंपरिक प्रेम-कहानी के विपरीत, यह फिल्म अपने मनोवैज्ञानिक तत्वों से रोमांस में एक नया आयाम जोड़ेगी। मुसाफिर कैफे की सफलता के बाद, वेदिका के बिल्कुल अलग किरदार की उम्मीद है।

अक्षय ओबेरॉय की फिल्म लव लॉटरी का पहला पोस्टर आया, रिलीज तारीख का भी ऐलान

अ अक्षय ओबेरॉय अपनी कई फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं। एक ओर उन्हें सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में खलनायक टोनी बनकर तहलका मचाते हुए दिखाई देंगे। वहीं शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग में उन्हें एक महत्वपूर्ण किरदार निभाते देखा जाएगा। इस बीच, अक्षय की एक और फिल्म लव लॉटरी की आधिकारिक रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है। साथ में पहला पोस्टर भी जारी कर दिया गया है। लव लॉटरी एक कोर्टरूम ड्रामा, मर्डर मिस्ट्री और सस्पेंस थ्रिलर का मिश्रण है, जिसका निर्देशन अरविंद पांडे ने किया है, जबकि निर्माता कुलदीप भार्गव उर्फ तुषार हैं। इसकी कहानी पुरुष अधिकारों के विषय पर आधारित है और एक सच्ची घटना से प्रेरित है। फिल्म में मुख्य किरदार अक्षय नजर निभाएंगे, जबकि हेली दारूवाला उनकी अभिनेत्री होंगी। पोस्टर में दोनों की पहली झलक को दर्शाया गया है। यह 18 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

Brief News

GMDA to Make Main Roads in 23 Sectors of Old Gurugram Safer

GURUGRAM, AGENCY: Preparations are underway to make the main roads in 23 sectors of Old Gurugram safer. The Gurugram Metropolitan Development Authority (GMDA) has prepared an estimate of around Rs 4.5 crore for the work. The amount will be used for lane dividers, zebra crossings and other road-safety equipment. GMDA will improve the safety of main roads from Sector 1 to Sector 23. A tender was issued on Thursday and will be opened on September 18. The tender will be awarded in October, after which the contractor will be given one year to make the roads safer.

Facilities to Be Provided

As many as 520 directional and information signboards will be installed on these main roads in accordance with Indian Road Congress standards. A 1.2-metre-high railing will be installed along the roads to prevent stray animals from suddenly entering the carriageway. Roads without central dividers will be equipped with barriers to create dividers. Lane markings will be done using thermoplastic paint. Zebra crossings will also be provided. Road studs will be installed along the roadside and above lanes to ensure that motorists remain in their lanes.

Home Guard Motorboat Sinks in Narmada in Jabalpur

Water Filled After Engine Failure, 15 People Were on Board

JABALPUR, AGENCY: In Madhya Pradesh, after 13 gates of the Bargi Dam near Jabalpur were opened due to heavy rain, a Home Guard patrol motorboat capsized in the swollen Narmada at Gwarighat on Friday evening. More rescue personnel than the boat's capacity were on board at the time of the incident. The team was patrolling the Narmada when the boat became uncontrollable and began drifting due to the strong current.

Some Home Guard personnel swam to safety, while the others were safely rescued with the help of local boatmen and divers present at the spot. Police also conducted a rescue operation and pulled the personnel out.It has emerged that the motorboat has a capacity of four to five people, but 12 Home Guard personnel, including the driver, were on board. The boat that capsized does not have proper seating arrangements, yet the personnel were taken into the strong current in it.The engine reportedly malfunctioned midstream. This has raised questions about negligence in the technical fitness and inspection of the patrol boat. However, all personnel except the driver were wearing life jackets.

"We Reached the Moon, But Manual Scavenging Has Not Ended"; Bombay High Court's Strong Observation

MUMBAI, AGENCY: The Bombay High Court has drawn attention to a social evil that has continued in the country for years. The High Court said that while the country claims to have reached the Moon, it has still failed to eliminate the practice of manual scavenging.

The Bombay High Court observed that India claims to have reached unexplored parts of the Moon, yet some of its citizens are still forced to perform work against human dignity under the cover of the caste system.

Reached the Moon, But Manual Scavenging Has Not Ended

Justices Bharati Dangre and Manjusha Deshpande said, "In the 21st century, we claim to have reached the other side of the Moon. Yet the bitter truth is that a social evil such as the caste system still exists in our country, forcing some citizens to perform work that is against human dignity."

The High Court further said that although the Constitution guarantees equality before the law and equal protection of the law to all citizens, even after 75 years of the Constitution being adopted, the country has not been able to free itself from the social evil that has troubled society for centuries. The court made these observations in a petition challenging the failure of state/local authorities to implement the Prohibition of Employment as Manual Scavengers and their Rehabilitation Act, 2013. The observations were made in the judgment of a hearing held on August 13 and uploaded on Thursday, September 3.

Supreme Court Has Already Banned the Practice

The High Court said manual scavenging is a practice that has forced a particular section of society for generations to perform this inhuman work, despite several Supreme Court judgments and laws prohibiting it.

The court rejected the state's position in government orders and said that families of sanitation workers employed by private contractors/sectors who died while performing such work would be entitled to compensation of Rs 30 lakh from the state government, as directed by the Supreme Court. The state could recover the amount from the concerned employers.

The petition before the Bombay High Court was filed by Raju Madhave, associated with the workers' union Shramik Janata Sangh, along with writer Shreyas Pandey. Raju Madhave was the father of Suraj, who died in 2022 while cleaning a septic tank at a housing society in Mumbra.

Senior advocate Gayatri Singh argued that the responsibility for paying compensation had been placed on private contractors/employers rather than state/local authorities.

The state's lawyer had initially said that 36 districts had been declared free of manual scavenging and that collectors had submitted certificates in August 2023. However, during the August 2024 hearing, it was stated that the status was based on the date on which the certificates had been issued.

Citing examples of the continued practice of manual scavenging, the petitioners said that contrary to the records, the state had paid compensation of Rs 10 lakh in 81 cases.

The judges said it could therefore be concluded that the state had not succeeded in completely eliminating the social evil of manual scavenging. Although the state had complied with the rules to some extent, it was unfortunate that state agencies were making only half-hearted efforts.

The judges also directed that Rs 30 lakh compensation be paid to the dependants of five deceased persons who had worked as sanitation workers and whose cases were raised by the petitioners.

Major Action in Bengaluru; FIR Against Uttarakhand BJP Leaders Over "Purification" After Kharge Rally

BENGALURU, AGENCY: A "Zero FIR" has been registered in Bengaluru against Uttarakhand BJP members and others in connection with alleged "purification" of a site after a rally addressed by Congress president Mallikarjun Kharge.

An official said the case was registered at Vidhana Soudha police station on August 31 on the complaint of former Congress ST Department vice-president T.R. Ramappa.

Officials explained that a "Zero FIR" is a case that can be registered at any police station, regardless of where the offence occurred or which police station has jurisdiction.

According to the FIR, the complainant said that on August 8, Mallikarjun Kharge, Leader of the Opposition in the Rajya Sabha, participated in and addressed a large public meeting at Ramlila Maidan in Haldwani, Uttarakhand.

After the public meeting, some BJP members and office-bearers allegedly organised a so-called "purification ritual" at the same place on August 10.

It has been alleged that the purpose of the ritual was to display an allegedly objectionable, insulting and casteist belief that the presence of Mallikarjun Kharge, a member of the Scheduled Caste community, had "polluted" the place and that it therefore needed to be purified through a ritual.

Court issues non-bailable warrant against former DSP

agar Suraj

MOTIHARI: A court in East Champaran's Sikrahna sub-division has issued a non-bailable warrant of arrest against former Deputy Superintendent of Police (DSP) Uday Shankar after repeated summons directing his appearance allegedly went unheeded.

The warrant follows a series of proceedings in which the court had sought the former police officer's explanation and personal appearance in connection with allegations of interference in a matter already under judicial consideration.

The case relates to an arms seized in connection with Pachpakri police station case no. 153/2025.

According to the court proceedings, the seized licence had been formally recorded in the seizure list and placed under judicial custody. Despite this, the then Sikrahna SDPO allegedly issued a written direction to the investigating officer to release the licence without obtaining permission from the court.

The court had earlier observed that such an action, if established, appeared to go beyond the officer's lawful authority and raised questions over interference with a matter pending before the judiciary.

> The allegations and observations mentioned above are matters forming part of the judicial proceedings; they should not be construed as a finding of guilt against the former DSP unless established in accordance with law

Notably, the court had given the officer an opportunity to explain his conduct. It had also sought a detailed factual report from the then SDPO as well as the Superintendent of Police, Motihari.

A report was requisitioned on February 24, 2026, but the court recorded that no satisfactory factual report had been received.

The proceedings subsequently assumed greater significance after the court took cognisance of the alleged conduct and issued summons to the former DSP. The repeated failure to respond to the court's directions eventually led to the issuance of the warrant.

The court has referred to provisions including Sections 199(b) and 208 of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), 2023, as reflected in the proceedings. Section 199 concerns a public servant's knowing disobedience of a legal direction regulating the manner in which an investigation is to be conducted, while Section 208 deals with intentional non-attendance in obedience to a lawful summons, notice or order. Under BNS Section 208, non-attendance pursuant to a court summons can attract simple imprisonment of up to six months, or a fine of up to 10,000, or both.

It may be recalled that the court had earlier taken a stern view of the alleged conduct, observing that actions by a public servant falling outside the scope of official duty and amounting to abuse of position would not automatically enjoy legal protection.

The latest warrant marks a significant escalation in the proceedings and places the former police officer under an obligation to submit to the process of the court.

Yaba Tablets Worth Rs 1.4 Crore and Myanmar Cigarettes Seized in Assam; Seven Arrested

GUWAHATI, AGENCY: Seven people have been arrested in separate operations in Assam with yaba tablets worth Rs 1.4 crore and more than 1.2 lakh Myanmar-made cigarettes.Officials said on Friday that the yaba tablets were seized in Sribhumi district, while the smuggled cigarettes were seized in Cachar district. Yaba is a narcotic substance and is banned in India.Chief Minister Himanta Biswa Sarma said in a social media post that police intercepted two vehicles and seized 14,000 yaba tablets worth Rs 1.4 crore. Five accused were arrested.The Chief Minister's Office also said in a social media post that another operation was conducted in Cachar district. Police intercepted a vehicle at the Digorkhal check post on the Assam-Meghalaya border and seized 1,20,000 Burmese cigarettes hidden inside it. Two accused were arrested in the case.

Woman Stripped, Beaten and Video Recorded... Four Arrested in Bengaluru Over Non-Payment of Loan

BENGALURU, AGENCY: A shocking case has emerged from Bengaluru in which a woman was allegedly stripped and assaulted after she failed to repay borrowed money.The accused also recorded a video of the woman and threatened to upload it on social media. Police have arrested four people, including two women, in the case.

Misbehaved With Her After She Failed to Repay Money

The accused have been identified as Nasrat, Reshma, Suhail and Saif. It has been alleged that the victim borrowed Rs 1 lakh from Reshma two years ago and had been unable to pay the interest for the past six months.The victim had also borrowed Rs 50,000 from Nasrat, whom she knew through Reshma, and had been paying Rs 5,000 every week. However, due to financial difficulties, she could not make payments for around four weeks. The woman said she later blocked Reshma's number and moved to another place out of fear of being harassed.Nasrat called the woman and invited her to her house on the pretext of offering her a job and money. When the woman reached Nasrat's house, Suhail allegedly misbehaved with and assaulted her. The victim also alleged that she was forcibly put into an auto-rickshaw. Reshma and Nasrat sat beside her, while Suhail and two other people were also present.

Accused Acquitted in Telangana Kidnap-Murder Case; Supreme Court Overturns Lower Court Verdict for Third Time in a Week

HYDERABAD, AGENCY: The Supreme Court has delivered a major verdict in a much-discussed 2012 kidnapping and murder case in Telangana, overturning the orders of the trial court and High Court. A bench comprising Justices J.B. Pardiwala and K. Vinod Chandran questioned the analysis of evidence and set aside the accused's conviction and sentence.

The court clarified that despite the victim's body being recovered from a refrigerator and the post-mortem confirming strangulation, there was no concrete and reliable evidence directly linking the accused to the crime or the flat.

According to a report by Dhananjay Mahapatra, the Supreme Court, overturning a lower court verdict for the third time in one week, ordered the release of the convicted accused.

What Is the Full Case?

In 2012, a person was kidnapped in Telangana. The kidnappers demanded a ransom of Rs 23 lakh, of which the victim's father paid Rs 1.5 lakh. Despite this, the victim was murdered.

The victim's body was recovered from a refrigerator kept in a flat at the instance of the accused. The trial court convicted five accused, while the Telangana High Court acquitted four and upheld the conviction of one.

Supreme Court's Observation

During the hearing, the bench of Justice J.B. Pardiwala and Justice K. Vinod Chandran found that while the post-mortem report confirmed that the victim had been strangled and that the body was recovered from a refrigerator, there was no concrete and reliable evidence linking the accused to the crime or the flat.

The Supreme Court said a person cannot be convicted of murder merely on the basis of recovery of the body and the post-mortem report. In the absence of concrete evidence, the Supreme Court ordered the immediate release of the fifth accused.